सोमवार
08 मई 2023

पृष्ठ 4

हिचकी से तुरंत राहत पाने के लिए अपनाएं 5 घरेलू नुस्खे

पृष्ठ 5

वनवे में जैकलीन व जायद खान के साथ नजर आएंगी चाहत खन्ना

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 97
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज का विचार

चाहे गुरु पर हो या ईश्वर पर, श्रद्धा अवश्य रखनी चाहिए। क्योंकि बिना श्रद्धा के सब बातें व्यर्थ होती हैं।

– समर्थ रामदास

धार्मिक अतिक्रमण पर सियासी घमासान शुरू

❑हरिद्वार डीएम कार्यालय में कांग्रेसी विधायकों ने किया हंगामा

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की धामी सरकार द्वारा धार्मिक अतिक्रमण पर बुलडोजर का वार शुरू किया गया तो अब इसका विरोध भी मुखर होता दिख रहा है। आज जहां कोटद्वार और रामनगर कार्बेट पार्क में बनी अवैध मजारों को बुलडोजर ने ध्वस्त कर दिया वही हरिद्वार में कांग्रेसी विधायकों और नेताओं ने जिला प्रशासन पर मनमाने ढंग से काम करने का आरोप लगाते हुए जबरदस्त हंगामा किया। इस बीच वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने जिला प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाए गए हैं।

सरकारी व वन भूमि पर धार्मिक स्थलों के निर्माण की आड़ में किए गए अतिक्रमण पर सरकार के सख्त रुख के बाद बीते कुछ दिनों से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी है। हरिद्वार और चकराता व हल्द्वानी के अलावा अब तक कई क्षेत्रों में दर्जन भर के करीब मजारों को ध्वस्त किया जा चुका है आज सुबह कोटद्वार के लैंसडौन क्षेत्र में वन भूमि पर बनी एक मजार पर एसडीएम की मौजूदगी में बुलडोजर की कार्यवाही की गई इस मजार की आड़ में बीघों जमीन पर कब्जा किया गया था। कानून के दायरे में की गई इस कार्रवाई का किसी ने भी विरोध नहीं किया। वहीं रामनगर के जिम कार्बेट पार्क की बिजरानी रेंज में अवैध रूप से बनी 4 मजारों को वन विभाग और जिला प्रशासन की टीमों

●कोटद्वार व रामनगर में मजारों पर चला बुलडोजर

द्वारा ध्वस्त कर दिया गया है।

एक तरफ धार्मिक अतिक्रमण पर धामी सरकार का बुलडोजर चलना शुरू हो गया है तो वहीं दूसरी ओर इस पर घमासान भी छिड़ गया है। खानपुर विधायक के बाद हरिद्वार जिलाधिकारी से मिलने गए कांग्रेस के कई विधायक व नेताओं ने यहां जमकर हंगामा किया। कांग्रेसी विधायकों का आरोप है कि हरिद्वार का जिला प्रशासन सूबे की सरकार को खुश रखने के लिए मनमाने तरीके से मजारों पर कार्यवाही कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार 2024 के लोकसभा चुनाव को हिंदू-मुस्लिम का चुनाव बनाने की नियत से काम कर रही है। हालांकि यह कांग्रेसी विधायक व नेता गए तो थे वार्ता करने लेकिन थोड़ी देर में ही गर्मा गर्मी हो गई। एसडीएम पूर्ण सिंह राणा और जिलाधिकारी विनय शंकर का कहना है कि उनके द्वारा जो भी कार्रवाई की जा रही है वह नियम सम्मत है। लेकिन ज्वालापुर क्षेत्र में तोड़ी गई मजार को लेकर कांग्रेसी नेताओं ने नाराजगी जताई तो हंगामा खड़ा हो गया।

शादाब ने कार्यवाही बताई मनमानी

देहरादून। ऐसा नहीं है की मजारों पर इस बुलडोजर की कार्रवाई का विरोध सिर्फ विपक्षी नेता और विधायकों द्वारा ही किया जा रहा है। वक्फ बोर्ड के चेयरमैन शादाब शम्स का कहना है कि अधिकारी मनमाने तरीके से काम कर रहे हैं जो मजारे वक्फ बोर्ड के रिकॉर्ड में दर्ज हैं उन पर भी कार्रवाई की जा रही है जबकि प्रशासन को दर्ज मजारों की सूची सौंपी जा चुकी है उनका कहना है कि वह इस बाबत सीएम से भी वार्ता करेंगे।

धार्मिक स्थलों पर सक्रिय टप्पेबाज गैंग के आठ सदस्य गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

टिहरी गढ़वाल। चार धाम यात्रा के दौरान तीर्थ स्थलों पर आने वाले यात्रियों के साथ टप्पेबाजी की घटनाओं को अंजाम देने वाले गैंग का खुलासा करते हुए पुलिस ने आठ बदमाशों को तीन चाकुओ, वायर कटर, ब्लेड कटर व चोरी के हजारों रूपये सहित गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार टप्पेबाजी गैंग यूपी का बताया जा रहा है जो पहले भी उत्तराखण्ड के कई थाना क्षेत्रों में टप्पेबाजी की घटनाओं में जेल की हवा खा चुके है।

जानकारी के अनुसार तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर व टप्पेबाजी की घटनाओं को रोकने के लिए थाना मुनि की रेती पुलिस द्वारा विभिन्न मंदिरों व घाटों पर चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। गहन विश्लेषण करने पर पुलिस को पता चला कि मन्दिरों व घाटों पर होने वाली टप्पेबाजी की घटनाओं में यूपी के कई गैंग सक्रिय है जो चार धाम के तीर्थ स्थलों पर चोरी आदि की घटनाओं के लिये टोली बनाकर आये हुये है।

पुलिस ने जब इनके बारे में छानबीन की तो इस दौरान पुलिस ने एक सूचना

के आधार पर दयानन्द घाट मुनिकीरेती पर चोरी की योजना बनाते हुये आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से चाकू, घटनाओं में प्रयोग वाले उपकरण व हजारों की नगदी बरामद की। पूछताछ में उन्होने अपना नाम मनोज कुमार पुत्र स्व. खेदू प्रसाद, बाबूराम पुत्र रामअच्छेवर, राधेश्याम पुत्र वासुदेव, अमृत लाल पुत्र भगवती प्रसाद, रविन्द्र कुमार पुत्र सदल, अमरजीत पुत्र रामचन्द्र, अशोक कुमार पुत्र रामयश व सरोज कुमार पुत्र खेदू प्रसाद निवासी जिला गोण्डा उ.प्र. बताया। बताया कि हम लोग यात्रा सीजन व त्यौहारों के अवसर पर तीर्थ स्थलों पर आते है तथा घाटों पर घूमकर मौका देखकर स्नान कर रहे यात्रियों के कपडे व बैग चोरी कर ले

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

एक भी आरोप साबित हो जाता है तो फांसी लगा लूंगा: बृजभूषण

नई दिल्ली। महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न पर भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने एक बार फिर अपना पक्ष रखा है। बृज भूषण सिंह का ताजा वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में बृज भूषण कह रहे हैं कि यदि मेरे खिलाफ एक भी एक भी आरोप साबित हो जाता है फांसी लगा लूंगा। उन्होंने कहा कि अब मामला दिल्ली पुलिस के पाले में है। मैं इस मामले में अधिक नहीं बोलूंगा।

बृज भूषण ने कहा कि मैं पहले दिन से पूछ रहा हूं कि क्या इन पहलवानों के खिलाफ कोई वीडियो या कोई सबूत है? आपको पहलवानी से जुड़ा कोई भी बच्चा हो, उससे अकेले में पूछो कि क्या बृज भूषण वास्तव में रावण है? बृज भूषण यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि विरोध कर रहे पहलवानों के अतिरिक्त आप किसी से भी पूछ लीजिए यदि मैंने कभी भी कुछ गलत किया हो। डब्लूएफआई चीफ ने कहा कि मैंने पहलवानी को 11 वर्ष दिए हैं। बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद दिल्ली पुलिस ने 28 अप्रैल को महिला पहलवानों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की।

एयरफोर्स का मिग-21 विमान हुआ क्रैश, तीन महिलाओं की मौत

जयपुर। भारतीय वायुसेना का लड़ाकू मिग-21 विमान सोमवार सुबह हनुमानगढ़ जिले के एक गांव में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पुलिस के अनुसार हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई जबकघि तीन लोग घायल हो गए। विमान का पायलट सुरक्षित है। वायुसेना के अनुसार यह विमान नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था और पायलट सुरक्षित रूप से निकल गया। बीकानेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया, 'घटना में तीन महिलाओं की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।' उन्होंने कहा कि विमान के पायलट का सूरतगढ़ सैन्य अस्पताल में इलाज चल रहा है।

भारतीय वायुसेना ने हादसे की जानकारी देते हुए ट्वीट किया, ''भारतीय वायुसेना का एक मिग-21 विमान आज

सुबह नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान सूरतगढ़ के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट सुरक्षित रूप से विमान से निकल गया। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच बैठाई गई है।

सूरतगढ़ वायु सेना स्टेशन गंगानगर जिले में है। यह कस्बा हनुमानगढ़ जिले की सीमा के पास है। हनुमानगढ़ के जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने कहा कि लड़ाकू विमान रत्ती राम के घर पर गिरा जिसमें उनकी पत्नी और दो अन्य महिलाओं की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। उन्होंने कहा कि शुरूआती रिपोर्ट के अनुसार रत्ती राम का घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है और पास के घर को भी नुकसान पहुंचा है। मृतक महिलाओं की पहचान लीला देवी पत्नी रामप्रताप, बंतो कौर पत्नी लाल सिंह और बाशो कौर पत्नी रत्ती राम के रूप में हुई है। बहलोलनगर के एक स्थानीय नागरिक ने कहा कि उसने तेज आवाज सुनी और पैराशूट नीचे आते देखा। उसने बताया कि चंद ही सैकंड में विमान रत्ती राम के घर पर गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसके बाद घर में रखी लकड़ियों में आग लग गई। उसने बताया, स्थानीय लोगों ने तुरंत पानी और रेत से आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए। दमकल और पुलिस मौके पर पहुंच गई और महिलाओं को अस्पताल ले जाया गया।

दून वैली मेल

संपादकीय

पलायन सबसे बड़ी समस्या

सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने धामी सरकार को कटघरे में खड़े करते हुए जनसंख्या नियंत्रण कानून के मुद्दे पर सवाल उठाया है। उनका कहना है कि बड़ी बातें करने और भाषण बाजी से राज्य का कुछ भला नहीं हो सकता। वह नहीं समझते हैं कि राज्य में जनसंख्या नियंत्रण कानून की कोई जरूरत है अगर कुछ करना है तो सरकार पलायन रोकने पर काम करें। जन सुविधाओं के अभाव में गांव उजड़ रहे हैं। भले ही यह कोई नया मामला न सही जब किसी पार्टी के नेता ने ही अपनी सरकार के कामकाज पर सवाल उठाया हो। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत भी सीएम की कुर्सी से हटाए जाने के बाद अपनी ही सरकार को निशाने पर ले रहे हैं लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि पलायन सूबे की सबसे बड़ी गंभीर समस्या है। जिसके समाधान पर बीते 20 सालों में किसी भी सरकार द्वारा कोई ठोस पहल नहीं की गई है। अब तक सरकारों द्वारा इस समस्या के समाधान पर पलायन आयोग का गठन करने से आगे नहीं बढ़ा जा सका है, जिसका नतीजा शून्य ही रहा है। सीएम धामी ने अभी अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि अगर जरूरत पड़ी तो जनसंख्या नियंत्रण के लिए उनकी सरकार जल्द ही नया कानून लेकर आएगी। सरकार द्वारा राज्य में नया भू कानून लाने की बात भी की जा रही है। ऐसा नहीं है कि राज्य में पहले से जनसंख्या नियंत्रण कानून व भू कानून नहीं है। निकाय चुनाव में वह प्रत्याशी अगर चुनाव नहीं लड़ सकते हैं जिनके दो से अधिक बच्चे हैं तो यह जनसंख्या नियंत्रण कानून उत्तराखंड सरकार का ही लाया हुआ है बाहरी व्यक्ति अगर ढाई सौ वर्ग मीटर से ज्यादा प्लॉट नहीं खरीद सकते हैं तो यह भू कानून भी उत्तराखंड सरकार ही लेकर आई थी। अब नए कानूनों की क्या जरूरत है यह बात सरकार ही समझ सकती है। भले ही यह सच सही की कुर्सी पर रहते हुए इन नेताओं को पलायन जैसी समस्याएं नजर न आती हो और पद तथा कुर्सी जाने के बाद वह दूसरों को नसीहतें देते नजर आए लेकिन सूबे में पलायन सबसे बड़ी गंभीर समस्या है राज्य के 1792 गांव पूरी तरह उजड़ चुके हैं यहां से आदमी तो क्या देवी देवता तक विदा हो चुके हैं। बीते 4 सालों की बात करें तो 24 गांव निर्जन हुए हैं वहीं राज्य बनने के बाद 1034 गांव खाली हो चुके हैं। राज्य से हर दिन कई लोग अभी भी पलायन कर रहे हैं। राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों में आबादी है जिसे नियंत्रण में रखने को कानून बनाने की बात धामी कर रहे हैं अगर उन्हें कुछ करना है तो इस पलायन को रोकने के लिए कुछ करें तभी पहाड़ की संस्कृति और उत्तराखंडियत को बचाया जा सकता है।

मणिपुर: हिंसाग्रस्त इलाके में फंसे 5 छात्रों का हिमाचल सरकार ने किया रेस्क्यू

इम्फाल। मणिपुर के हिंसाग्रस्त इलाके में फंसे छात्रों को हिमाचल सरकार ने रेस्क्यू कर लिया है। मणिपुर हिंसा के बीच हिमाचल प्रदेश के बच्चों ने रविवार शाम 7 बजे मुख्यमंत्री को फोन कर वहां से रेस्क्यू करने के लिए मदद मांगी। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत पांच बच्चों को इम्फाल ईस्ट से रेस्क्यू करवाया। इनमें एक लड़की भी शामिल है। इनमें से तीन बच्चे एनआईटी जबकि दो नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मणिपुर के विद्यार्थी हैं। रेस्क्यू किए गए बच्चों में से तीन सिमरन, सुजल कौंडल, अश्वनी कुमार मंडी, नवांग छेरिंग कुल्लू और केशव सिंह हमीरपुर जिला का रहने वाला है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने खुद रेस्क्यू मिशन की निगरानी की। बच्चों को मणिपुर से बाहर निकालने में सबसे बड़ी दिक्कत इम्फाल से फ्लाइट न मिलने की थी। क्योंकि सभी फ्लाइट फुल चल रही थी। ऐसे में उनके लिए सीट का इंतजाम करना टेड़ी खीर साबित हो रहा था। हिमाचल के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के आदेश पर अधिकारियों ने इंडिगो से विशेष फ्लाइट चलाने का अनुरोध किया जिसे एयरलाइंस ने मान लिया। इंडिगो अधिकारियों का जवाब आया कि सुबह 8.20 बजे इम्फाल से विशेष फ्लाइट उड़ान भरेगी, लेकिन मुश्किल यहां भी खत्म नहीं हुई। फ्लाइट पर सवार होने के लिए बच्चों को सुरक्षित एयरपोर्ट पर पहुंचाना भी किसी चुनौती से कम नहीं था, क्योंकि यह क्षेत्र हिंसाग्रस्त था। इसके बाद मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के निर्देश पर अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस और सेना से संपर्क कर बच्चों को सुरक्षित एयरपोर्ट पर पहुंचाने के लिए मदद मांगी। सेना ने सुबह तड़के सवा पांच बजे बच्चों को इम्फाल एयरपोर्ट पर पहुंचाया।

मा सख्युः शूनमा विदे मा पुत्रस्य प्रभूवसो।
आवृत्वद्भूतु ते मनः॥
(ऋग्वेद ८-४५-३६)

हे परमेश्वर ! आपकी मेरे ऊपर ऐसी कृपा बनी रहे कि मुझे जीवन में कभी मित्रों और संतान की कमी खले नहीं।

O God ! May your grace be on me in such a way that I never miss friends and children in my life.
(Rig Ved 8-45-36)

हिम्मत न हारिये

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

एक सफल इंसान की जिंदगी का रहस्य क्या है? एक सफल इंसान की जिंदगी से पता चलता है कि वो अपनी नाकामियों से घबराता नहीं बल्कि और अधिक मेहनत करके सफलता प्राप्त करने कोशिश करता है। एक उदाहरण के रूप में जैसे थॉमस एडीसन ने बिजली का बल्ब बनाया, जिसके जरिये अंधेरों में भी रोशनी होती है और दुनिया दिन-रात चलती रहती है। बल्ब के अंदर एक फिलामेंट (बारीक तार) होता है, जोकि बिजली से गर्म होकर रोशनी देता है।

जब थॉमस एडीसन फिलामेंट विकसित करने में लगे हुए थे। वे हर तरह की धातु को लेकर फिलामेंट बनाने की कोशिश कर रहे थे और जब वह फिलामेंट तैयार नहीं होता था तो उसे घर की खिड़की से नीचे फेंक देते हैं। ऐसे ही 13 महीने तक वे लगे रहे। उन्होंने इतने फिलामेंट बाहर फेंके कि उन फिलामेंट का इतना पहाड़ बन गया था कि वह दूसरी मंजिल तक पहुँचना शुरू हो गया था। लेकिन उन्होंने तब भी हिम्मत नहीं हारी। आखिर में उन्होंने फिलामेंट विकसित कर ही लिया। बहुत से उदाहरण हमने सुने और पढ़े होंगे कि मुसीबतों के सामने होते हुए भी इंसान ने मेहनत की। उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और वे अपनी मंजिल तक पहुँच गए। ठीक इसी प्रकार हमारे अंदर भी अपने जीवन के ध्येय तक पहुँचने की ऐसी ही तड़प होनी चाहिए।

हमारे जीवन का ध्येय क्या है? हमारे जीवन का लक्ष्य प्रभु-प्राप्ति है। इसी उद्देश्य को लेकर हम इस दुनिया में आए हैं। एक बच्चा जब दुःखी होता है तो पिता उसे दुःखी नहीं देख सकता, वह खुद आ जाता है उसकी मदद करने के लिए। ठीक इसी प्रकार हमारी आत्मा प्रभु की अंश है, उसे लेने प्रभु स्वयं पूर्ण गुरु के शरीर के रूप में आते हैं।

किसी पूर्ण गुरु का मिलना, परमात्मा का मिलना है क्योंकि गुरु हमें 'नाम' का अमृत पिलाते हैं और हमारे अज्ञान को दूर करते हैं। मन, माया, इंद्रियाँ, काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार हमारे बैरी हैं। जब गुरु हमें नाम के साथ जोड़ते हैं तो ये सब दूर हो जाते हैं और हमें सदा का सुख मिल जाता है। नाम से जुड़ने के लिए जरूरी है कि हम पिता-परमेश्वर को दिल की गहराईयों से पुकारें। प्रभु हमारे अंतर में हैं। हमें उन्हें अपने दिल की गहराईयों और हृदय से पुकारना है और हिम्मत नहीं हारनी है, तभी वह पुकार सुनी जाती है। प्रभु के पास चींटी की पुकार पहले सुनी जाती है, हाथी की चिंघाड़ बाद में। चाहे कितनी भी मुश्किलें हमारे सामने हों, हमारे गुरु की अपार कृपा से सब मुश्किलें दूर हो जाती हैं और हमें सदा-सदा का सुख मिल जाता है। यदि हम ऐसा करते हैं तो तभी हम एक सफल इंसान की तरह अपनी मंजिल को पा सकते हैं।

निगम प्रशासन वेंडिंग जोन के रूप लघु व्यापारी को व्यवस्थित व स्थापित करें: चोपड़ा

संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांती अध्यक्ष संजय चोपडा ने कहा कि निगर निगम प्रशासन वेडिंग जोन के रूप में लघु व्यापारियों को व्यवस्थित व स्थापित करे।

आज यहां फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के मात्र संगठन लघु व्यापार एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी की बैठक प्रथम न्यू स्मार्ट वेंडिंग जोन चंडी घाट मार्ग के प्रांगण में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने की, बैठक का संचालन प्रथम वेंडिंग जोन के अध्यक्ष मनोज मंडल ने किया।

बैठक के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल को संयुक्त रूप से ऑनलाइन इमेल द्वारा मांग पत्र भेजकर भगत सिंह चौक सेक्टर टू बैरियल के वेंडिंग जोन की लाभार्थियों की सूची प्रकाशित किए जाने व ज्वालापुर पुल जटवाड़ा में विकसित किए गए वेंडिंग जोन के सभी लाभार्थियों के साथ अनुबंध किया जाना उत्तरी हरिद्वार भारत माता मंदिर रोड, पवन धाम, सर्वानंद घाट, पंतदीप पार्किंग, प्राचीन काली मंदिर पर विकसित किए जाने वाले वेंडिंग जोन की टेंडर प्रक्रिया को किया जाना इन कार्यों का संज्ञान लेकर हरिद्वार नगर निगम प्रशासन को पुनः निर्देशित किए जाने की मांग को प्रमुखता से दोहराया। इस अवसर पर लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा पूर्व में 26 अप्रैल को रोड़ी बेलवाला पिंक वेंडिंग जोन में प्रशिक्षु आईएएस के निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानीय शरारती तत्वों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जाने से नगर निगम प्रशासन द्वारा केंद्र और राज्य सरकार के निर्देशन मे विकसित किए जा रहे वेंडिंग जोन का कार्य. स्थगित किया गया है जोकि न्याय पूर्ण नहीं है। बैठक में अपने विचार व्यक्त करते दिलीप गुप्ता, विजय कुमार, लाल चंद गुप्ता, जय भगवान, रणवीर सिंह, तस्लीम अहमद, आजम अंसारी, यामीन अंसारी, प्रभात चौधरी, बिरेंद्र कुमार, सचिन राजपूत आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

कर्नाटक चुनाव को धर्मिक रंग देने की कोशिश कर रही भाजपा: अलका

संवाददाता

काशीपुर। वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री व कर्नाटक विधानसभा में मैसूर लोकसभा क्षेत्र की ऑब्जर्वर अलका पाल ने कहा कि कर्नाटक चुनाव में भाजपा धार्मिक रंग देने की कोशिश कर रही है।

आज यहां वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री व कर्नाटक विधानसभा में मैसूर लोकसभा क्षेत्र की ऑब्जर्वर अलका पाल ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस इस बार 150 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। कर्नाटक की जनता हिमाचल की तर्ज पर भाजपा को उखाड़ देगी। पीसीसी सदस्य व महिला कांग्रेस की वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अलका पाल ने कहा कि कांग्रेस ने अपने मेनिफेस्टो में कर्नाटक के अंदर प्रत्येक घर में 200 यूनिट बिजली निशुल्क, 10 किलो चावल, प्रत्येक ग्रहणी को 2000, प्रत्येक ग्रेजुएट को 3000, डिप्लोमा धारियों को 1500 रुपए महंगाई से लड़ने के लिए उपलब्ध करवाएगी। वहीं उन्होंने बताया कि नंदिनी दूध, दूध प्रोडक्ट पर सरकार आने पर सब्सिडी जारी रहेगी। कांग्रेस नेता अलका पाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा प्रत्येक चुनावों को श्रीराम, मां गंगा और बजरंगबली के इर्द-गिर्द ले जाती है, क्योंकि उसके पास विकास से जुड़े हुए मुद्दों पर बात करने की हिम्मत नहीं है, बजरंगबली हम सब क्या आराध्य हैं। बजरंगबली के नाम पर भाजपा जिस तरह से राजनीति कर रही है, वह अफसोस का विषय है। कोई भी दल या संस्था अगर समाज और राष्ट्र विरोधी कार्य करता है तो उसे समाज की मुख्यधारा में आने का कोई अधिकार नहीं है। कर्नाटक की जनता अच्छी तरह समझ चुकी है अब 40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार को उखाड़ने का वक्त आ गया है, उत्तराखंड के परिवेश में उन्होंने कहा कि आगामी 2023 के निकाय चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तराखंड की जनता भाजपा को उखाड़ने का संकल्प ले चुकी है।

सिल्क की साड़ी पहनते समय इन बातों का रखें ख्याल

जब भी बात सिल्क की साड़ियों को पहनने की आती है तो अक्सर महिलाएं इस बात को लेकर परेशान होती है है कि आखिरकार इस साड़ी को कैसे पहनें कि हम पार्टी में सबसे हटकर लगें। क्योंकि इसकी बनावट बहुत चिकनी होती है जिसके कारण इसे संभालना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। परफेक्ट सिल्क की साड़ी पहनने के लिए हम आपसे ऐसा बिल्कुल नहीं कह रहे रहे कि आप बाजार से कोई महंगी साड़ी उठा लाएं , आपको बस जरूरत है तो कुछ स्टाइलिंग टिप्स की। अगर आपके मन में भी ऐसे सवाल हैं कि सिल्क की साड़ी को कैसे पहनें? तो आज हम आपके साथ कुछ ऐसे टिप्स और ट्रिक्स शेयर करेंगे जो आपके सिल्क साड़ी लुक को पूरा करने में आपकी मदद कर सकते हैं। जिससे ने केवल आप स्टाइलिश लगेंगी बल्कि आपकी सिल्क की साड़ी को सही ग्रेस भी मिल जाएगा।

सही से करें रंगों का चुनाव

सबसे पहले आपको इस बात को अच्छे से जानना होगा कि आपके ऊपर कौन से रंग अच्छे लगते हैं और कौन से नहीं। जी हां, रंग हमारी सुंदरता को बनाने और बिगाड़ने का काम बहुत अच्छे से कर लेते हैं। ऐसे में सबसे पहला काम तो आप अपने कॉम्प्लेक्शन के हिसाब से सही रंग चुनाव करें। ऐसा हम आपको इसलिए भी बता रहे हैं क्योंकि सिल्क की साड़ी थोड़ी चमक वाली होती है। अगर आपने गलती से किसी रंग का चुनाव कर लिया जो आपके कॉम्प्लेक्शन के हिसाब से नहीं है तो ये आपके ऊपर भड़काऊ लग सकती है। वहीं, सबसे जरूरी बात अगर आपकी सिल्क की साड़ी डार्क कलर की है तो ये आप शाम के किसी फंक्शन में कैरी कर सकती हैं। इसके अलावा हल्के रंगों की साड़ी को दिन के लिए रखें, क्योंकि रात की जगमगाहट में इनका कलर दब जाएगा।

ब्लाउज़ को दें थोड़ा फैशनेबल टच

सिल्क की साड़ियों पर हम किसी और फैब्रिक का ब्लाउज़ नहीं पहन सकते। ऐसे में आपको अपनी साड़ी से मिलता-जुलता ब्लाउज ही पहनना होगा। अगर आप अपनी सिल्क की साड़ी को किसी बड़े फंक्शन में पहनने के लिए तैयार कर रही हैं तो कोशिश करें कि इसका ब्लाउज़ थोड़ा फैशनेबल हो। ऐसा इसलिए मोहतरमा क्योंकि सुंदरता के साथ-साथ स्टाइल भी बहुत मायने रखता है। अगर आप अपनी ब्लाउज़ को थोड़ा बहुत भी स्टाइलिश लुक देंगी तो ये आपकी सुंदरता में चार चांद लगा देगा। साथ ही साथ मेकअप, स्टाइलिंग और ज्वेलरी से आपकी साड़ी और भी ज्यादा ग्रेसफुल लगेगी।

इस तरह पहनें सिल्क की साड़ी

सिल्क की साड़ी को पहनना काफी मशक्कत भरा काम है। हालांकि, एक बात यह भी है कि अगर ये एक बार सही से बंध गई तो आपको स्टाइलिश बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। मम्मी-दादी को आपने कई बार कहते सुना होगा कि सिल्क की साड़ियों में ज्यादा सेफ्टी पिन का इस्तेमाल नहीं होता जिसके कारण इसकी प्लेट्स ज्यादा सरकती हैं। लेकिन सच बताएं तो ऐसा कुछ भी नहीं है। सिल्क की साड़ियों का ग्रेस आपके बांधने के तरीके में छिपा है। ऐसे में आप जब भी अब सिल्क की साड़ी पहनें तो सबसे पहले ये कोशिश करें कि आपकी साड़ी एकदम अच्छे से प्रेस की गई हो, और फिर इसे लपेटना शुरू करें। अगर आप साड़ी की अच्छी प्लेट्स नहीं बना पातीं तो किसी और की भी मदद ले सकती हैं।

जूलरी लगाएगी सुंदरता में चार चांद

किसी ने खूब कहा है कि बिना आभूषण महिलाओं का श्रृंगार अधूरा है। जब बात सिल्क की साड़ी पहनने की आती है तो इस पर भरी-भरकम जूलरी न हो ऐसा कैसे हो सकता है। अगर आप भी चाहती हैं कि आपके फैशन में स्टाइल का तड़का लगे तो आप अपनी सिल्क की साड़ी के साथ उससे मिलती-जुलती जूलरी को खरीदें। इतना ही नहीं, अगर आपका भारी भरकम सेट पहनने का दिल नहीं है तो आप कड़ा और झुमके के साथ भी अपने लुक को एलिगेंट बना सकती हैं।

मेकअप और बाल हैं सबसे खास

हमने सब कुछ तो अच्छे से कर लिया लेकिन उस तरीके का मेकअप नहीं किया जैसा किया जाना था। ऐसे में आप मान लीजिए कि आपने अभी तक जितनी भी मेहनत की थी वो पूरी तरह से बर्बाद है। जी हां, सिल्क की साड़ियों के साथ ही नहीं बल्कि आप जब भी साड़ी पहनने का मन बनाएं तो उसके हिसाब से ही मेकअप करें। साड़ी को सुंदर और ग्रेसफुल दिखाने के लिए मेकअप और बाल सही रखना बहुत जरूरी है। बात करें हेयरस्टाइल की तो आप सिल्क की साड़ियों के साथ चोटी या जूड़ा कुछ भी ट्राई कर सकती हैं। दोनों ही इनके ऊपर खूब फबते हैं।

लैपटॉप और टीवी देखकर सूज गईं आंखें?

आज के समय में लोगों का ज्यादा समय टीवी, मोबाइल और कम्प्यूटर स्क्रीन पर ही बीतता है. दिन के 24 घंटे कम्प्यूटर पर बिताने के कारण लोगों को आंखों में कई तरह की समस्याएं आ रही हैं. लगातार स्क्रीन पर देखने से आंखों में खुजली, जलन और सूजन का आना लाजिमी है. लॉकडाउन के बीच अगर, आपको भी इसी तरह की समस्या आ रही है तो आप कुछ घरेलू नुस्खों को अपनाकर इससे राहत पा सकते हैं.

ग्रीन टी

एंटी-ऑक्सीडेंट तत्वों से भरपूर ग्रीन टी को चेहरे पर लगाना काफी फायदेमंद होता है. आंखों की सूजन में भी ग्रीन टी का इस्तेमाल किया जा सकता है. ग्रीन टी को एक छोटे कप में बना लें और उसमें थोड़ी देर के लिए रूई भिगोकर रख दें. इसके बाद इन रूई को निकालकर आंखों पर लगाएं. 10 से 15 मिनट तक रूई को आंखों पर लगाने से दर्द, जलन की समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है.

ऐलोवेरा जेल

विटामिन, कैल्शियम, एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर ऐलोवेरा जेल स्किन की कई प्रॉब्लम को जड़ से खत्म कर सकता है. जलन और सूजन की समस्या में आंखों के नीचे ऐलोवेरा जेल की कुछ बूंदे 10 से 15 मिनट के लिए लगाएं.

जब ऐलोवेरा जेल सूख जाए तो चेहरे को ठंडे पानी से धो लें. आप चाहे तो ताजा ऐलोवेरा भी यूज सकते हैं. इस तरह ऐलोवेरा का इस्तेमाल करने से आंखों को ठंडक मिलती है साथ ही डार्क सर्कल की समस्याओं से भी छुटकारा मिलता है.

जैतून और नारियल का तेल

आंखों में होने वाली खुजली, सूजन से राहत पाने का सबसे आसान तरीका है जैतून और नारियल का तेल. एक चम्मच जैतून और 1 चम्मच नारियल का तेल मिक्स करके रूई को भिगो दें. इसके बाद इसे आंखों के नीचे और ऊपर लगाएं.

- अगर, आप रूई में भिगोकर तेल नहीं लगाना चाहते हैं तो जैतून के तेल में नारियल का तेल मिक्स करके आंखों के आसपास मसाज भी कर सकते हैं. इस तेल से आंखों के आसपास मसाज करने से सूजन,जलन और थकावट की समस्या कम होती है. जिन लोगों को डार्क सर्कल की समस्या है वो भी इसे अप्लाई कर सकते हैं. क्योंकि जैतून और नारिलय का तेल स्किन प्रॉब्लम से छुटकारा पाने के लिए बेस्ट माना जाता है.

अगर बच्चा खाना खाने में करता है आनाकानी

बच्चों को समय पर खाना खिलाना अपने आप में एक मुश्किल काम है। ज्यादातर बच्चे खाने पीने में आनाकानी करते हैं और घंटों तक उन्हें खाने के लिए मनाना पड़ता है। इसके अलावा कुछ बच्चे भोजन की बजाय नूडल्स और अन्य फास्ट फूड ज्यादा पसंद करते हैं और खाना न खाने से शरीर में कमजोरी आ जाती है।

दरअसल अगर आपका बच्चा खाना नहीं खा रहा है तो यह कोई आम बात नहीं है। इसके पीछे कुछ गंभीर कारण भी हो सकते हैं। खाना न खाने से बच्चों के शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है जिससे बच्चा बीमारियों से ग्रस्त हो जाता है और उसे कम भूख लगती है। आइए जानते हैं बच्चों को भूख न लगने के कारण और इसे दूर करने के उपाय...

बच्चों को इन कारणों से नहीं लगती है भूख:

1.बॉडी में आयरन की कमी होने पर

2.हेपेटाइटिस-ए का टीका लगने पर

3.मेनिनजाइटिस होने पर

4.अधिक फास्ट फूड खाने से

5.अधिक मीठी चीजें खाने से

इसके अलावा कई बार बच्चों को उनकी पसंद का खाना नहीं मिल पाता है जिसके कारण वे खाने से कतराते हैं और आसानी से खाने के लिए तैयार नहीं होते हैं।

बच्चों की भूख बढ़ाने के उपाय

अगर आपका बच्चा खाना नहीं खाता है तो उसके आहार में अलग-अलग तरह की चीजें शामिल करके उसकी भूख बढ़ाईजा सकती है। अगर बच्चे का आहार पोषक तत्वों से भरपूर हो तो वह खाना खाने के लिए आसानी से तैयार हो जाएगा। भूख बढ़ाने के लिए बच्चों के आहार में निम्न चीजों को शामिल करना चाहिए :

विटामिन सी-

यदि बच्चे को भूख नहीं लगती है तो उसे विटामिन सी से भरपूर आहार जैसे टमाटर, संतरा, स्ट्रॉबेरी के साथ ही आयरन से भरपूर आहार खिलाएं। विटामिन सी शरीर में आयरन को अवशोषित करने में मदद करता है और भूख को बढ़ाता है।

सोआ या डिल

यह एक प्रकार की जड़ी बूटी है जो भूख की कमी, कब्ज, अपच सहित पेट से जुड़ी अन्य परेशानियों को दूर करने में मदद करता है। इसे सूप में मिलाकर बच्चे को खिलाया जा सकता है और मसाले के रुप में भी उपयोग किया जा सकता है।

पोषक तत्वों से भरपूर आहार

बच्चे के आहार में पालक, साबुत अनाज, पास्ता, चावल, मटर, चने व ब्रोकली आदि को शामिल करें। ये फूड्स शरीर में पोषक तत्वों की भरपायी करते हैं और बच्चे की भूख को बढ़ाने में सहायक होते हैं। इस तरह बच्चों के आहार पर उचित ध्यान देने से उसकी भूख बढ़ती है और वह बीमारियों से दूर एवं स्वस्थ रहता है।

देशभक्ति का स्वाभिमान

भारतीय दर्शन तथा अध्यात्मवाद के प्रचार के लिए स्वामी रामतीर्थ अमेरिका गए हुए थे। उनके प्रभावशाली प्रवचनों को सुनकर असंख्य अमेरिकी भारतीयता तथा हिंदू दर्शन से प्रभावित होकर उनके भक्त बन गए। अमेरिका के एक धनिक ने उन्हें धनराशि भेंट की।

स्वामीजी ने उस धनराशि को अनाथ बच्चों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। भारत लौटते समय उनके भक्तों ने उन्हें पहनने के वस्त्र प्रदान किए। स्वामी जी ने स्नेह से भेंट किए हुए वस्त्र पहन लिए किंतु अपने सिर पर भारत से ले जाया गया भगवा साफा ही धारण किया। उनके भक्त ने जब हैट धारण करने का आग्रह किया तो स्वामी जी ने कहा, 'मैं पैरों में आपके दिए जूते पहन सकता हूं किंतु मेरे सिर पर मेरे देश में करघे पर बुनी हुई पवित्र खादी का और त्याग के प्रतीक भगवे रंग का साफा ही शोभायमान रहेगा।' अमेरिकी भक्त स्वामी जी के देश के प्रति स्वाभिमान के समक्ष नतमस्तक हो गए।

प्रस्तुति : मुकेश शर्मा

एक और स्वागतयोग्य पहल

राजस्थान का स्वास्थ्य का अधिकार कानून पूरे देश में अपनी तरह की पहली पहल थी। उसी तरह गिग वर्कर्स के हितों के संरक्षण का कानून बनाना पहली पहल है। आशा है, अब दूसरे राज्य भी राजस्थान सरकार की पहल से सबक लेंगे।

सबको सेहत का अधिकार देने का कानून बनाने के बाद अब राजस्थान सरकार ने एक उतनी महत्त्वपूर्ण और पहल की है। स्वास्थ्य का अधिकार कानून पूरे देश में अपनी तरह की पहली पहल थी। उसी तरह गिग वर्कर्स के हितों के संरक्षण का कानून बनाना पहली पहल है। राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार ने यह कानून बनाने का एलान इस वर्ष फरवरी में पेश अपने बजट में किया था। अब उस प्रस्तावित कानून का मसविदा तैयार कर लिया गया है। इसके तहत गिग वर्कर्स को उचित संरक्षण देने तथा उनके कल्याण की योजना लागू करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। गिग वर्क पिछले कुछ वर्षों में प्रचलित हुआ नया चलन है। इसके जरिए कंपनियों ने श्रमिकों के हक मारने का उपाय कर लिया है। आधुनिक तकनीक ने इसके लिए उन्हें सक्षम बनाया है। इस रूप में आधुनिक तकनीक श्रमिक वर्ग के हित संरक्षण के बजाय उनके शोषण में कंपनियों की सहायक बन गई है। इस प्रचलन के तहत श्रमिकों को काम पर रखने वाली कंपनियां खुद को 'एग्रीगेटर', 'मध्यस्थ' या 'सुविधादाता' कहकर नियोक्ता के रूप में अपनी जिम्मेदारी से बच निकलती हैं।

गिग कर्मचारियों को बिना किसी निश्चित आय, बीमा, सेवानिवृत्ति, या पेंशन लाभ के खुद अपना ख्याल रखने के लिए छोड़ दिया जाता है । जिस कारोबार में वे हों, उनमें हर जरूरी निवेश उन्हें खुद करना पड़ता है। कंपनियां उनका ग्राहकों से संपर्क करवाने भर की सेवा देती हैं। बदले में वे उनके 25 से 30 फीसदी तक की आमदनी हड़प लेती हैं। टैक्सी सेवाओं से लेकर घर में साफ-सफाई और घरेलू उपकरणों की मरम्मत जैसी सेवाएं आज रूप में दी जा रही हैं। राजस्थान सरकार का अनुमान है कि वहां तीन लाख से अधिक गिग वर्कर इस समय काम कर रहे हैं। देश भर में यह संख्या 75 लाख से ऊपर बताई जाती है। इसलिए अब श्रम के इस रूप पर गौर करना जरूरी हो गया है। केंद्र और कुछ राज्य सरकारों ने इस श्रमिकों के कल्याण के कुछ कदम उठाए हैं। लेकिन उन्हें कानूनी संरक्षण देने की पहल पहली बार राजस्थान में ही हो रही है। आशा है, इससे दूसरे राज्य भी सबक लेंगे। (आरएनएस)

पहलवानों का राजनीतिक संघर्ष

राजनीतिक संघर्ष का अर्थ है कि चूंकि यौन शोषण का आरोपी सत्ताधारी दल का सांसद है और उसे राजसत्ता का संरक्षण भी मिला हुआ दिखता है, तो संघर्ष के निशाने पर धीरे-धीरे सरकार और सत्ताधारी पार्टी का आते जाना एक लाजिमी परिघटना है।

चैंपियन पहलवानों का यौन शोषण के खिलाफ संघर्ष का केंद्र बना नई दिल्ली का जंतर-मंतर अब एक सरकार विरोधी राजनीतिक मंच बनता जा रहा है। इसके बावजूद सत्ता पक्ष की यह कोशिश सफल नहीं हो रही है कि वह पहलवानों को विपक्षी दलों के हाथ का 'खिलौना' बता दे। इस बिंदु पर राजनीतिक संघर्ष और चुनावी राजनीति के रंग में अंतर को स्पष्ट कर लेना चाहिए। राजनीतिक संघर्ष का अर्थ है कि चूंकि यौन शोषण का आरोपी सत्ताधारी दल का सांसद है और उसे राजसत्ता का संरक्षण भी मिला हुआ दिखता है, तो संघर्ष के निशाने पर धीरे-धीरे सरकार और सत्ताधारी पार्टी का आते जाना एक लाजिमी परिघटना है। चुनावी राजनीति का रंग तब होता, जब यह लड़ाई किसी पार्टी विशेष से संचालित दिखती और ऐसी धारणा बनती कि इसके जरिए चुनावी समीकरण बनाए जा रहे हैं। लेकिन हकीकत ऐसी नहीं है। पहलवानों के मंच पर कांग्रेस के नेता पहुंचे हैं, तो अरविंद केजरीवाल ने भी वहां जाकर उन्हें संबोधित किया। इस बीच संयुक्त किसान मोर्चा ने भी उसे सक्रिय समर्थन देने का एलान किया है। किसान आंदोलन के दौरान इस मोर्चा का एक प्रमुख चेहरा बन चुके राकेश टिकैत अपने दल-बल के साथ मंगलवार को जंतर-मंतर पहुंचने का एलान कर चुके हैं। जबकि जाट समुदाय के कई खापों से जुड़े लोग वहां पहले ही आ चुके हैं। अब चूंकि राजनीतिक रंग का कार्ड नहीं चला है, तो एक कोशिश इस लड़ाई को जाट बनाम राजपूत (चूंकि आरोपी इस जाति से आते हैं) में बदलने की शुरू हो गई है। हरियाणा की राजनीति के जानकारों ने कहा है कि इसके जरिए वहां जाट बनाम गैर जाट की गोलबंदी मजबूत करने की कोशिश की जा सकती है, जो उस राज्य में भाजपा की राजनीतिक शक्ति का आधार रही है। ऐसी विभाजक कोशिशें नागरिकता संशोधन विरोधी कानून के खिलाफ हुए आंदोलन के दौरान कारगर रही थीं। लेकिन किसान आंदोलन के दौरान इन प्रयासों को अधिक सफलता नहीं मिली। अब पहलवान संघर्ष के दौरान यह देखने की बात होगी कि क्या ऐसी विभाजक रणनीतियां अब बेअसर हो रही हैं? ऐसा होना सत्ता पक्ष के लिए खतरे की घंटी होगी। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

हिचकी से तुरंत राहत पाने के लिए अपनाएं 5 घरेलू नुस्खे

हिचकी एक आम समस्या है, जो लोगों को कष्टदायक नहीं लगती है। हालांकि, कई बार बहुत से लोगों को इस तरह से हिचकी आती है कि बंद होने का नाम ही नहीं लेती। इससे पेट में हलचल और सिर में दर्द होने लगता है। इस तरह आने वाली हिचकी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। ऐसे में नीचे लिखे कुछ प्राकृतिक और घरेलू उपचार को अजमाकर इस समस्या से तुरंत राहत पा सकते हैं।

चीनी

हिचकी से राहत पाने के लिए चीनी एक लोकप्रिय घरेलू उपचार है, जिसका इस्तेमाल सदियों से किया जा रहा है। इसके लिए आपको लगभग 10 सेकंड के लिए 1 चम्मच सफेद या भूरी चीनी को मुंह में रखने के बाद निगल लेना है। इसके बाद आधा गिलास पानी पी लें। दरअसल, चीनी के छोटे-छोटे दाने आपके गले में हल्की जलन पैदा करते हैं और आपका ध्यान हिचकियों से खींच लेते हैं।

नींबू

जब बात हिचकी से निपटने की आती है तो नींबू भी आपकी काफी मदद कर सकता है। इसके लिए आपको बस नींबू का एक टुकड़ा अपने मुंह में रखना है। इसके बाद तो इसे चबाएं और इसके रस का सेवन करते रहें। इसका खट्टा स्वाद आपकी वेगस तंत्रिका को विचलित करता है और लगातार आने वाली हिचकियों को रोकता है। नींबू का इस्तेमाल इन छोटे-बड़े कामों के लिए भी किया जा सकता है।

अचार

हिचकी का इलाज करने के लिए आप अचार या अचार के रस का सेवन कर सकते हैं। दरअसल, अचार का स्वाद हल्का तीखा होता है इसलिए यह वेगस तंत्रिका को आसानी से विचलित करके हिचकी से आपका ध्यान खींच लेता है। इसके लिए अचार के रस की कुछ बूंदें जीभ पर लगाएं या फिर अचार को तब तक चूसें जब तक आपकी हिचकी बंद न हो जाए। आपको घर पर ये 5 तरह के आम के अचार जरूर बनाना चाहिए।

सेब का सिरका

हिचकी के उपाय के रूप में आप सेब के सिरके का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए 1 चम्मच सेब के सिरके को एक तिहाई कप पानी में मिलाएं और फिर इस मिश्रण को पी लें। आमतौर पर आपको इस मिश्रण के पहले दो घूंट में ही राहत मिल सकती है। यदि नहीं, तो आप थोड़ी देर बाद इसका सेवन फिर से करें। नियमित तौर पर सेब के सिरके के सेवन से स्वास्थ्य को ये लाभ मिलते हैं।

इलायची

इलायची में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो आपकी वेगस तंत्रिका, गले और फेफड़ों को शांत करने में मदद करते है। इससे हिचकी से तुरंत राहत मिलती है। इसके लिए 1 गिलास पानी उबालें और फिर उसमें 1 चम्मच इलायची पाउडर डालकर 15 मिनट तक भीगने दें। इसके बाद मिश्रण को छान लें और फिर इसे थोड़ा ठंडा होने दें। हालांकि, मिश्रण को पूरा ठंडा न होने दें, इसके हल्का गुनगुना होने पर एक झटके में इसे पी लें। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -008

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

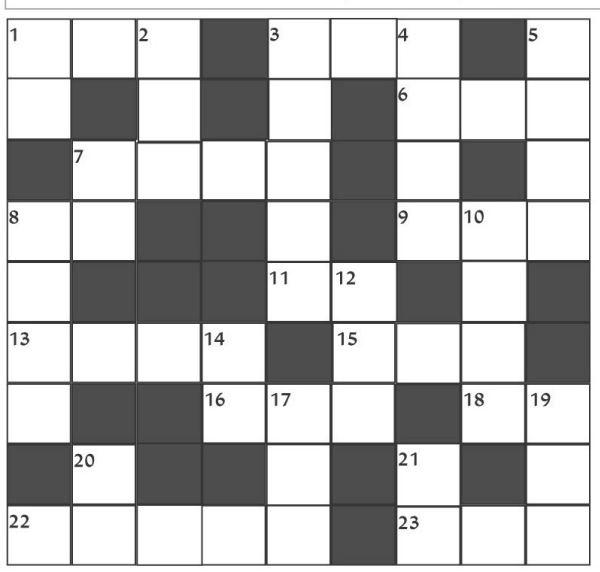

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 07 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	व		म	द
व		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

कटी-फटी पेंट में कैद हुआ रिया चक्रवर्ती का बोल्ड अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती हमेशा अपनी बोल्ड और स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस के कारण सोशल मीडिया का पारा गर्म करती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपनी बेहद शानदार तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं, जिसमें उनकी फिटनेस देखकर फैंस आहें भरने लगे हैं। बी-टाउन की जानी-मानी एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती इन दिनों भले ही किसी फिल्म में नहीं दिखाई दे रही हों लेकिन वो आए दिन अपने बोल्ड फोटोशूट से इंटरनेट का तापमान बढ़ा देती हैं। वो हमेशा सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। हालांकि फैंस को भी उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार रहता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वो बेहद ही शानदार आउटफिट में नजर आ रही हैं। रिया चक्रवर्ती ने अपने इस फोटोशूट के दौरान कटी-फटी पेंट और क्रॉप टॉप पहना हुआ है। एक्ट्रेस का इस लुक में कातिलाना अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। उनकी हॉटनेस भी इंटरनेट पर कहर बरपा रही हैं। अभिनेत्री रिया ने इन तस्वीरों में अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करते हुए सिजलिंग पोज में तस्वीरें क्लिक करवाई हैं। बता दें कि एक्ट्रेस अपनी फिटनेस को मेंटेन रखने के लिए रोजाना वर्कआउट करती हैं और साथ ही बाहर का जंक फूड बिल्कुल नहीं खाती हैं। रिया चक्रवर्ती जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट के जरिए अपना प्यार लूटाते हैं।

4 भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म धूमम

मेगा-ब्लॉकबस्टर केजीएफ के साथ इंडस्ट्री में एक अलग जगह बनाने के बाद, प्रोडक्शन हाउस होम्बले फिल्म्स फहद फासिल और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अपर्णा बालमुरली अभिनीत धूमम के साथ धमाल मचाने के लिए तैयार है।मुहूर्त शॉट के साथ फिल्म की घोषणा के बाद, निमार्ताओं ने अब धूमम का पहला लुक जारी कर दिया है।

धूमम के फर्स्ट लुक पोस्टर को साझा करते हुए, होमेबल फिल्म्स ने फहद फासिल और अपर्णा बालमुरली की विशेषता वाले दिलचस्प और आकर्षक फर्स्ट लुक को साझा किया। उन्होंने कैप्शन दिया: आग के बिना कोई धुआं नहीं उठता, यह पहली चिंगारी है।पवन कुमार के निर्देशन में बनी धूमम मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में टायसन की घोषणा के बाद होम्बले फिल्म्स की ओर से दूसरी घोषणा है।

धूमम एक थ्रिलर फिल्म है, जो 4 भाषाओं में रिलीज होगी: मलयालम, कन्नड़, तमिल और तेलुगु। धूमम के अलावा, होम्बले फिल्म्स सलार और युवा जैसी अखिल भारतीय फिल्मों की ओर देख रही है।

बड़े अच्छे लगते हैं 2 की पूर्ति आर्या ने स्वास्थ्य परेशानियों के चलते एक्टिंग से लिया था ब्रेक

आखिरी बार टीवी शो बड़े अच्छे लगते हैं 2 में नजर आईं एक्ट्रेस पूर्ति आर्या एक साल से पर्दे से गायब हैं। पूर्ति ने खुलासा किया कि उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के कारण एक्टिंग से ब्रेक लेने का फैसला लिया। उन्होंने कहा- मैंने अपने स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के चलते एक्टिंग से एक छोटा ब्रेक लिया, जिसका प्राथमिकता से इलाज किया जाना आवश्यक था। जीवन में कभी-कभी सब कुछ छोड़कर खुद को चुनना पड़ता है। मुझे अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए समय निकालना पड़ा। इसके अलावा, मुझे अपना मन बनाना था और जिस तरह के प्रोजेक्टस और किरदार मैं करना चाहती थी, उसके बारे में खुद के लिए चीजों को सुलझाना था। चीजों को नए सिरे से शुरू करने की उम्मीद में, मैंने कुछ समय के लिए चीजों को रोकने का फैसला किया। लेकिन अब मैं आखिरकार वापस आ गयी हूं और ऑडिशन देना शुरू कर दिया है।वह किस तरह का काम करना चाहती हैं, इसका खुलासा करते हुए उन्होंने कहा, मैं पहले की तरह प्रमुख किरदार करना चाहती हूं। मैं एक मजबूत किरदार निभाना चाहती हूं, जो दर्शकों के दिमाग पर छाप छोड़े। अवसर भरपूर हैं, लेकिन मेरे लिए अपने लिए चुने गए प्रोजेक्ट्स के बारे में चयनात्मक होना महत्वपूर्ण है।पूर्ति ने जलेबी, इंटरनेट वाला लव, लाइफ सही है, अशोक सम्राट और प्यार तूने क्या किया में काम किया है।

वनवे में जैकलीन व जायद खान के साथ नजर आएंगी चाहत खन्ना

एक वक्त था जब हिन्दी फिल्म उद्योग में रामसे ब्रदर्स के नाम का डंका बजता था। रामसे ब्रदर्स की हॉरर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर होती थी। उन्होंने कई फिल्मों का निर्माण किया। लम्बे समय से रामसे ब्रदर्स के नाम से कोई फिल्म बाजार में नहीं आई है। लेकिन अब इस परिवार के फिल्म निर्माता श्याम रामसे की बेटी साशा रामसे बतौर निर्देशक सामने आ रही हैं। इन दिनों वे फिल्म वन वे का निर्देशन कर रही हैं, जिसके जरिये संजय खान के बेटे अभिनेता जायद खान बॉलीवुड में वापसी करने जा रहे हैं। इस फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस भी मुख्य भूमिका में हैं और एकता कपूर के सोप ओपेरा बड़े अच्छे लगते में दिखाई दी चाहत खन्ना भी नजर आएंगी।

बड़े अच्छे लगते हैं की एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने जैकलीन फर्नांडीस अभिनीत फिल्म वन वे का हिस्सा बनने के लिए अपनी खुशी साझा की। उन्होंने कहा कि वह विभिन्न अवसरों की खोज करने और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाने के लिए उत्सुक हैं। वन वे एक सुपरनेचुलर थ्रिलर है, जिसमें मैं हूं ना एक्टर जायद खान भी हैं और फिल्म निर्माता श्याम रामसे की बेटी साशा द्वारा निर्देशित है। फिल्म में, चाहत एक महिला की भूमिका निभा रही हैं, जो जैकलीन फर्नांडीस द्वारा निभाए गए किरदार की मेंटॉर है। इसके अतिरिक्त चाहत इन दिनों यात्री नामक फिल्म भी नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि दोनों फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं और इसी बात से चाहत खुश हैं।

चाहत यात्री नाम की एक और फिल्म में भी नजर आने वाली हैं। इन प्रोजेक्ट्स के बारे में बात करते हुए, चाहत ने कहा, मुझे अलग-अलग माध्यमों में काम करने में मजा आता है। हालांकि, अन्य माध्यमों की तुलना में फिल्मों की शेल्फ लाइफ लंबी होती है और यही कारण है कि हर अभिनेता फिल्में करने की इच्छा रखता है। जबकि मैं अतीत में कई फिल्मों का हिस्सा रही हूं, मेरी आने वाली फिल्में मुझे ऐसे किरदारों में दिखाएंगी जो मैंने पहले नहीं निभाए हैं। इन फिल्मों ने मुझे एक अभिनेत्री के रूप में अपनी क्षमता दिखाने और उस तरह के किरदार निभाने का मौका दिया, जिसने मुझे अपनी सीमाओं को पार करने की चुनौती दी।

एक्टर के तौर पर 'भोला' मेरे लिए सबसे अच्छी शुरुआत : अर्पित रांका

अर्पित रांका को 2013 के शो 'महाभारत' में दुर्योधन और 'राधाकृष्ण' में कंस की भूमिका के लिए जाना जाता है। उन्होंने फिल्म 'भोला' में अजय देवगन और तब्बू के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया और बताया कि कैसे 10 साल के इंतजार के बाद उन्हें इतना बड़ा प्रोजेक्ट मिला है। फिल्म में, वह नेगेटिव रोल भूरा के किरदार में हैं।

बड़े पर्दे पर अपनी शुरूआत करने के बारे में बोलते हुए, अर्पित ने कहा: हिंदी फिल्मों में काम करना हर अभिनेता का सपना होता है। मैं अलग नहीं था। मुझे हिंदी फिल्मों में काम करने में 10 साल लग गए। लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा होना तय था। हालांकि पहले भी ऑफर्स थे, लेकिन किसी वजह से मैं उन्हें नहीं कर पाया। मुझे 'भोला' में भूरा का रोल कैसे मिला, यह एक दिलचस्प कहानी है।

उन्होंने कहा, 'भोला' के लिए ऑडिशन देने के बाद, मुझे उज्जैन में महाकाल मंदिर जाने का मौका मिला। कुछ दिनों के बाद, मुझे 'भोला' के लिए अजय देवगन सर के ऑफिस से फोन आया। उनके ऑफिस में महाकाल की मूर्ति देखना मेरे लिए सुखद पल था। इसके अलावा, शूटिंग का मेरा पहला दिन एक सेट पर था जिसमें महाकाल की एक बड़ी मूर्ति थी, जहां फिल्म में एक एक्शन सीक्वेंस होता है।

उन्होंने अजय और तब्बू के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया: मेरी शूटिंग का पहला दिन 30 जून, मेरे जन्मदिन पर था। अजय देवगन और तब्बू के साथ मेरे सीन्स शूट होने थे और मैं बहुत घबराया हुआ था। लेकिन उन दोनों ने मुझे कंफर्ट फील कराया। अजय देवगन एक समर्पित एक्टर और निर्देशक हैं। हर दिन वह सेट पर यह देखने के लिए आते थे कि सब कुछ ठीक है या नहीं। इंडस्ट्री में इतने सालों के काम और नाम कमाने के बाद भी वह काफी सरल इंसान है। सेट पर एक अभिनेता के रूप में बहुत कुछ लेना-देना रहा है क्योंकि मैं फिल्म में एकमात्र अभिनेता हूं जिसने स्क्रीन पर अजय सर को मात दी है।

अयान मुखर्जी ब्रह्मास्त्र के दूसरे और तीसरे भाग के लिए जियो से मिलाएंगे हाथ

अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन शिवा ने रिलीज के बाद ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। हाल ही में निर्देशक ने ब्रह्मास्त्र 2 के दिसंबर 2026 और ब्रह्मास्त्र 3 के दिसंबर 2027 में रिलीज होने का ऐलान किया था। अब खबर आ रही है कि धर्मा प्रोडक्शंस और डिज्नी ब्रह्मास्त्र से पीछे हट गए हैं। ऐसे में ब्रह्मास्त्र के लिए अयान जियो स्टूडियो से हाथ मिला सकते हैं और उनकी बातचीत चल रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, डिज्नी भारत में अपनी कंटेंट की रणनीति के पुनर्गठन पर काम कर रहा है। उन्होंने डिज्नी+ हॉटस्टार के लिए काम को धीमा कर दिया है और फिल्म निर्माण भी कम ही कर रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में कई बैठकों के बाद अब डिज्नी ने ब्रह्मास्त्र फ्रेंचाइजी से पीछे हटने का फैसला किया है। स्टूडियो ब्रह्मास्त्र फ्रेंचाइजी के अधिकार अयान को बेचने के लिए तैयार था, जो पहले से ही इसके आंशिक मालिक हैं।

सूत्र के मुताबिक, अयान ने अब पूरा कार्यभार संभालने का फैसला किया क्योंकि ब्रह्मास्त्र उनकी प्रिय फ्रेंचाइजी है और वह इसे अपने हाथ से जाने नहीं देना चाहते। अयान के पास अपनी फिल्मों के भविष्य के लिए एक रूपरेखा तैयार है और वह रणबीर कपूर के साथ इस पर जियो स्टूडियोज के साथ करोड़ों रुपये की बड़ी डील करने के कगार पर हैं। हालांकि जियो स्टूडियो के साथ अयान की डील अभी तक पक्की नहीं हुई है।

यह है अयान की योजना

सूत्र के अनुसार, अयान की ब्रह्मास्त्र 2 और ब्रह्मास्त्र 3 को जियो स्टूडियो के साथ बनाने की योजना है। अयान बच्चों के लिए एनिमेटेड कार्टून के अलावा वेब सीरीज और स्वतंत्र फीचर फिल्मों के प्रारूप में ब्रह्मास्त्र के अन्य किरदारों पर स्पिन ऑफ भी बनाएंगे। यह डील होती है तो यह एक स्टूडियो और निर्देशक के बीच हुई सबसे बड़ी डील साबित होगी। अयान फ्रेंचाइजी के शो रनर होंगे, लेकिन स्पिन ऑफ अन्य फिल्म निर्माताओं को दिए जाएंगे।

स्पिन ऑफ के बारे में कहा जा रहा है कि ओटीटी के लिए नंदी अस्त्र, पवन अस्त्र और गज अस्त्र बनाए जाएंगे, जबकि जल अस्त्र को बड़े पर्दे के लिए बनाए जाने की उम्मीद है। अगर यह डील हो जाती है तो ब्रह्मास्त्र फ्रेंचाइजी का निर्माण जियो स्टूडियो द्वारा स्टारलाईट पिक्चर्स और अस्त्रा वर्स के साथ किया जाएगा। सूत्र ने कहा, डील के लिए जियो को ब्रह्मास्त्र के अधिकार डिज्नी से खरीदने होंगे। फिलहाल इस पर काम हो रहा है।

हाल ही में खबरें आई थीं कि अयान और करण जौहर के बीच अनबन हो गई है, जिसके बाद से ही निर्देशक अलग बैनर के साथ ब्रह्मास्त्र पर काम करने की योजना बना रहे थे। कहा गया था कि अयान ने ब्रह्मास्त्र 2 और ब्रह्मास्त्र 3 की रिलीज डेट के ऐलान के दौरान करण का जिक्र नहीं किया था। हालांकि बाद में इन खबरों को गलत भी ठहराया गयाथा, लेकिन किसी की ओर से बयान सामने नहीं आया है।

अयान ऋतिक रोशन की वॉर 2 का निर्देशन करने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग इस नवंबर में शुरू हो सकती है और यह 2024 के अंत में या 2025 की शुरुआत में रिलीज हो सकती है।

वापिस होगा बाईडन बनाम ट्रंप का मैच!

श्रुति व्यास

इतिहास अपने-आप को दोहराएगा। अमेरिका फिर सन् 2020 के मैच का गवाह होगा। तब वे चार साल 'कम बुजुर्ग' थे। जो बाईडन ने पिछले प्रचार अभियान की शुरुआत के चार साल पूरे होने पर वापिस अपनी पुरानी घोषणा दुहराई है। उन्होंने कहा है कि वे अपना 'काम पूरा करने के लिए' फिर राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ेंगे।

बाईडन के लिए चुनाव में अपनी पार्टी का प्रत्याशी चुना जाना आसान होगा क्योंकि डेमोक्रेट्स के पास दूसरे चेहरे हैं ही नहीं। जहां तक रिपब्लिकन पार्टी का सवाल है वहां कई नेता उम्मीदवार बनने की दौड़ में हैं परंतु ट्रंप उनमें सबसे आगे दौड़ते नजर आ रहे हैं। कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि 2024 में अमरीका के राजनीति के अखाड़े में 2020 का मैच फिर से खेला जाएगा।

सवाल है कि ये दोनों सुपर सीनियन सिटीजन्स, जिनके जीवन के अच्छे दिन कई दशक पीछे छूट चुके हैं, फिर से राष्ट्रपति बनने की जिद पर क्यों अड़े हुए हैं? क्या सत्ता की उनकी भूख शांत नहीं हुई है? कई लोगों ने उनसे अपील की थी कि वे देश के पहले राष्ट्रपति जार्ज वाशिंगटन के नक्शेकदम पर चलते हुए अपने पद से इस्तीफा देकर देश का नेतृत्व युवा हाथों में सौंप दें। परंतु नहीं। बाईडन साहब को लगता है कि उनकी पारी अभी खत्म नहीं हुई है।

बाईडन कई दशकों से राष्ट्रपति बनने के फेर में थे। सन 2024 में वे चौथी बार चुनाव लड़ेंगे। सन 1988 में वे पहली बार चुनाव मैदान में उतरे थे। तब वे 46 साल के थे। फिर उन्होंने 2008 में 66 साल की आयु में एक बार फिर चुनाव लड़ा। आखिरकार भाग्य की देवी उन पर मुस्कुराईं और 2020 में 78 वर्ष की उम्र में वे व्हाईट हाउस में पहुंच ही गए। अगर वे अगला चुनाव जीत जाते हैं तो जब वे व्हाईट हाउस छोड़ेंगे तब उनकी आयु 86 वर्ष होगी। यह साफ है कि बाईडन को दुनिया का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति बनना और बने रहना बहुत सुहा रहा है। और भला क्यों नहीं।

बराक ओबामा जब 48 साल की आयु में राष्ट्रपति बने थे तब वे युवा, ताजादम और ऊर्जावान लगते थे। छप्पन वर्ष की आयु में जब उन्होंने पद छोड़ा तब वृद्धावस्था की छाप उन पर दिखलाई पड़ने लगी थी। वे थके हुए और हताश दिखते थे। इसके विपरीत बाईडन पद संभालने के बाद से दिन-ब-दिन और जवान व फुर्तीले होते जा रहे हैं। जब वे चलते हैं तब वे हल्के से लंगड़ाते हैं परंतु चुस्त-दुरुस्त दिखलाई देते हैं। भाषण देते समय कब-जब वे यह भूल जाते हैं कि उन्हें आगे क्या कहना है परंतु जब वे अपना रेबेन 3025 लगाकर हवाई जहाज पर चढ़ रहे होते हैं तो वे सचमुच बहुत सजीले नजर आते हैं। और उनके कारण रेबेन फिर से फैशन में आ गया है।

एक बार फिर चुनाव लड़ने का निश्चय शायद उनमें और ऊर्जा भर देगा। परंतु क्या यह एक जवान अमेरिका के लिए अच्छा होगा?

अमरीका के अधिसंख्य नागरिक युवा हैं। देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति भी बुरी नहीं है। परंतु यह देश का दुर्भाग्य ही है कि उसके शीर्ष नेतृत्व में बुजुर्गों का बहुमत है। देश के 70 प्रतिशत नागरिक नहीं चाहते कि बाईडन एक बार फिर चुनाव लड़ें और उनमें से कई डेमोक्रेट मतदाता भी हैं, जिनका मानना है कि बाईडन से मुक्ति पाने का समय आ गया है। मतदाताओं में बाईडन के समर्थक सिर्फ43 प्रतिशत है।

परंतु हाय री किस्मत। भारत की तरह अमरीका में भी डेमोक्रेट विकल्पहीनता की समस्या से जूझ रहे हैं। उनके पास कोई ऐसा दूसरा व्यक्ति नहीं है जो रिपब्लिकनों और विशेषकर डोनाल्ड ट्रंप की मुसीबतें खड़ी करने और अराजकता फैलाने की अपूर्व क्षमता का मुकाबला कर सके। कमला हैरिस घोर अलोकप्रिय हैं। बर्नी सेंडर्स बहुत बूढ़े हैं। ऊपर से वे अपने क्रांतिकारी राजनैतिक विचारों के चलते डेमोक्रेटों के ट्रंप कहे जाते हैं। शेष उम्मीदवारों में से अधिकांश महिलाएं हैं और कई अश्वेत भी हैं परंतु समस्या यह है कि वे सभी उम्र में बहुत छोटे और अनुभवहीन हैं।

इसलिए जो बाईडन ही सबसे उपयुक्त उम्मीदवार दिख रहे हैं। एक ऐसी पार्टी जिसमें वामपंथियों का दबदबा बढ़ रहा है, में से अमेरिका एक ऐसे व्यक्ति को ही चुनना चाहेगा जो अपेक्षाकृत मध्यमार्गी है। यही कारण है कि न चाहते हुए भी वे बाईडन को ही चुनेंगे। आखिर चार और वर्षों तक ट्रंप की मूर्खताओं और मसखरी झेलने से बेहतर होगा 82 वर्ष के बाईडन को चुनना। फिर ऐसा भी तो नहीं है कि ट्रंप एकदम युवा हैं। वर्तमान में ट्रंप का समर्थन करने वाले मतदाताओं का प्रतिशत 41 है जो बाईडन से केवल दो प्रतिशत कम है।

जब कोई राष्ट्रपति पद पर रहते हुए फिर से चुनाव लड़ता है तो जाहिर है कि मतदाता राष्ट्रपति के रूप में उसके काम के आधार पर उसका आंकलन करते हैं। इस मामले में बाइडन का रिकार्ड काफी बेहतर है। उन्होंने अमरीकी सेना का उपयोग किए बिना रूस को यूक्रेन पर कब्जा न करने देने में सफलता हासिल की है। घरेलू मोर्चे उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। एक नयी औद्योगिक नीति को लागू करना, जिसके चलते सेमीकंडक्टर चिप का देश में उत्पादन तेजी से बढ़ा है तो इस मामले में अमरीका की ताईवान पर निर्भरता भी घटी। उसके अलावा उन्होंने अमेरिकी अर्थव्यवस्था के कार्बन फुटप्रिंट को घटाने के लिए बड़ी राशि अनुदान के रूप में देने की नीति लागू की। हालांकि कांग्रेस में रिपब्लिकनों ने उनकी कम खर्चीली चाइल्ड केयर योजना को पारित नहीं होने दिया परंतु उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और कोविड राहत के लिए महत्वपूर्ण विधेयक पारित करवाने में सफलता प्राप्त की। अमेरिकी अर्थव्यवस्था को बाईडन के संतुलित और टिकाऊ निर्णयों से लाभ हुआ है और उनके नेतृत्व में अर्थव्यवस्था में तेजी से मजबूती आई है। इसके विपरीत ट्रंप के कार्यकाल में उनकी एक बेवकूफाना टिप्पणी या ट्वीट से स्टाक मार्केट में भूचाल आ जाया करता था।

इन सबका लाभ बाईडन को चुनाव में मिलेगा, विशेषकर आर्थिक मोर्चे पर उनकी सफलताओं का। महामारी के कारण अर्थव्यवस्था लंगड़ाने लगी थी परंतु अब सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है। और अभी तो चुनाव में 18 महीने बाकी हैं। तब तक आर्थिक हालात और बेहतर हो जाएंगे। परंतु बाईडन में एक कमी है ओर वह है वाकपटुता का अभाव। ट्रंप की तरह उनमें हजारों लोगों की भीड़ को सम्मोहित करने की क्षमता नहीं है। सन् 2020 में बड़ी सभाओं और सम्मेलनों पर कोविड के कारण रोक थी। अब ऐसा नहीं है। और हम यह मान सकते हैं कि ट्रंप के वाक् प्रहार अब और कटु व निष्ठुर होंगे। बाईडन के लिए कमला हैरिस भी एक बोझ हैं। वे पूरी तरह से फ्लाप साबित हुई हैं। ऐसे में मतदाताओं को लग सकता है कि अगर पद पर रहते हुए बाईडन स्वर्ग सिधार जाते हैं तो एक ऐसी महिला के हाथों में अपरिमित सत्ता और शक्ति आ जाएगी जो उस काम के लिए न तो तैयार है और ना ही काबिल।

ऐसे में अपनी बुजुर्गियत के बावजूद बाईडन देश के लिए सबसे अच्छे विकल्प हैं। वे अमेरिका के प्रजातंत्र को महफूज रख सकते हैं। उसे अन्य प्रजातंत्रों के लिए रोल मॉडल बना सकते हैं। और इसकी जरूरत पड़ेगी क्योंकि ट्रंप अपना मुंह बंद नहीं रखेंगे। उन्होंने अभी से यह स्पष्ट कर दिया है कि राष्ट्रपति बनने के बाद बदला लेना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। हाल में एक कंजरवेटिव सम्मेलन में अपने प्रशंसकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था' मैं ही तुम्हारा प्रतिशोध हूं卐।

तो एक शानदार मैच को फिर से देखने के लिए तैयार हो जाईए। यह भी उतना ही रोमांचक और उत्तेजक होगा जितना कि पिछला था।

सू- दोकू क्र.008

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.07 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

मुख्यमंत्री के नंबर तो जनता तय करती है...

राजेन्द्र शुक्ला

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक कार्यक्रम के दौरान राज्य के विद्यार्थियों से एक सलाह मांगते हुए इशारों इशारों में जो बात की है, उसकी गहराई का आकलन राजनीति के पंडित कर रहे हैं। विद्यार्थियों के बीच मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यह बताया कि वह सोचते हैं कि पोस्ट ग्रेजुएशन पूरा कर लें। उन्होंने विद्यार्थियों से पूछा कि क्या वे पीजी पूरा करें? उन्होंने प्रीवियस किया है लेकिन पीजी पूरा नहीं हुआ। इस पर विद्यार्थियों ने करतल ध्वनि से उनका समर्थन किया। लेकिन मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री पीजी करे, यह तो अच्छा है लेकिन मुख्यमंत्री के नंबर कम आये तो लोग क्या कहेंगे। बात किस नंबर की हो रही है, यह बच्चे भी समझ रहे थे और यह प्रसंग ट्विटर पर शेयर होने के बाद छत्तीसगढ़ के सभी लोग भी अच्छी तरह समझ रहे हैं। शैक्षणिक बात के माध्यम से मुख्यमंत्री ने दरअसल जिस नंबर की तरफ इशारा किया है, वह नंबर तो उन्हें फर्स्ट क्लास फर्स्ट मिलने की उम्मीद कांग्रेस कर सकती है। बल्कि कांग्रेस को भरोसा है कि मुख्यमंत्री को जनता पूरे नंबर देगी। भूपेश बघेल आज जिस मुकाम पर हैं, वहां कोई डिग्री अहमियत नहीं रखती। बल्कि उनके द्वारा किए गए काम का आकलन हो रहा है। मुख्यमंत्री के रूप में भूपेश बघेल ने साढ़े 4 साल में छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को जिस तरह से सुदृढ़ किया है, किसान के साथ-साथ खेतिहर मजदूर के साथ भी न्याय किया है, शहरी गरीबों के साथ ही शहरी मजदूरों का कल्याण किया है, गोधन न्याय योजना के माध्यम से न केवल गोवंश का संरक्षण किया है बल्कि ग्रामीण आबादी को रोजगार भी उपलब्ध कराया है, छत्तीसगढ़ में पलायन की कोई गुंजाइश नहीं है, वह सबको दिखाई दे रहा है।

मुख्यमंत्री की प्रायोगिक परीक्षा हो चुकी है। पहले आमतौर पर देखा गया है कि यहां के मजदूर रोजगार की तलाश में हर साल पलायन कर जाते थे। परदेस में उन्हें बहुत सी असुविधाओं और मजबूरियों का सामना करना पड़ता था। कोरोना महामारी के समय ऐसे छत्तीसगढ़िया ग्रामीणों को, जो राज्य के बाहर जाकर रोजी रोजगार कमा रहे थे, उन्हें वापस बुलाकर यहीं काम दिया गया और तब से छत्तीसगढ़ से पलायन का सिलसिला थम चुका है। छत्तीसगढ़ के लोगों को उनके गांव में रोजगार मिल रहा है।ग्रामीण आबादी के हाथ में पैसा है और जब गांव की अर्थव्यवस्था मजबूत होने लगे तो उस प्रदेश की अर्थव्यवस्था स्वाभाविक रूप से मजबूत होती है। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की सरकार ने लगभग सभी चुनावी वादे पूरे कर दिए हैं। जो कुछ शेष रह गए हैं तो कोई भी सरकार एक बार में सौ फीसदी वादे पूरे नहीं कर पाती, यह आम जनता को अच्छी तरह पता है। लेकिन जन सरोकार के साथ समावेशी विकास के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जिस तरह का कार्य प्रदर्शन किया है, वह छत्तीसगढ़ की जनता के सामने है। छत्तीसगढ़ के गांव गरीब किसान मजदूर शोषित वंचित पीड़ित हर वर्ग के लिए भूपेश बघेल की सरकार ने संवेदनशीलता के साथ काम किया है। जिसके परिणाम सामने आते रहे हैं। राज्य में हुए सारे के सारे उपचुनाव कांग्रेस ने जीते हैं। यह भूपेश बघेल की जन परीक्षा में मिले अच्छे अंक का कमाल है। तो एक बात साफ है कि भूपेश बघेल को किसी स्नातकोत्तर डिग्री में कम नंबर आने की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। क्योंकि जनता उनकी डिग्री नहीं देख रही। उनकी प्रेक्टिकल योग्यता देख रही है। सवाल है कि भूपेश बघेल अपनी असल परीक्षा में कितने खरे उतर सकते हैं तो इस मामले में भूपेश बघेल का रिपोर्ट कार्ड सबके सामने है। वह देश के श्रेष्ठ मुख्यमंत्रियों के बीच एक चमकदार चेहरा हैं और उनकी योजनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर जो प्रोत्साहन मिला है, वह साबित कर रहा है कि भूपेश बघेल को नंबरों के मामले में चिंता करने की जरूरत नहीं है। जनता उन्हें जो नंबर देगी, वह बेहतर ही होंगे।

वर्क संस्था ने मरीजों को फल वितरित किये

संवाददाता

देहरादून। वर्क संस्था के कार्यकर्ता ने दून चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरित किये। वर्ल्ड ऑर्गेनाइजेशन रिलीजन एंड नॉलेज (वर्क) के कार्यकर्ताओं ने दून हॉस्पिटल के वार्डों में मरीजों को फल वितरण करने का कार्य किया जिससे वहां मौजूद मरीज और उनके तीमारदारों ने खुशी जाहिर की और इस कार्य को नेक काम बताते हुए धन्यवाद दिया। वर्क के दानिश अफजल और आरिफ वारसी ने कहा कि इस प्रकार के समाज सेवा के कार्य हम सभी लोगों को करते रहना चाहिए। वर्क हमेशा से दीन दुखियों की सेवा के लिए कार्य करता रहता है और जहां उसके कार्यकर्ताओं की जरूरत होती है वहां जाकर के वह अपनी भागीदारी कर जिम्मेदारी निभाता है। वर्क के कार्यकर्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के कार्य करते रहने से ही समाज में एकता और प्यार का संचार होता है समाज व देश एक जुट रहता है जरूरत मंदों की जरूरत पूरी हो जाती है यही एक सच्चे दौर (सतयुग) की शुरू होने की पहचान है कि हम सब देश वासी लोगों की भलाई के कार्य करें और अपने देश को हर छेत्र में कमियाबी दिलाएं और भारत देश जल्द विश्वगुरु बन कर दुनियां में अपना नाम करे। इस अवसर पर वर्क के दानिश अफजल,आरिफ वारसी,इलियास कुरेशी, हुस्ने मुबारक,मोहम्मद फेजान आदि शामिल रहे।

स्मैक के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर थाना पुलिस ने पुरकुल गांव की तरफ जाने वाले रास्ते पर एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से साढे पांच ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम अजय कुमार पुत्र दिनेश राय निवासी ग्रीन वैली सिल्वर सिटी बताया। वहीं रायवाला थाना पुलिस ने रायवाला रेलवे स्टेशन के पास से दो युवकों को 86 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम पप्पू श्रीवास्तव पुत्र रामकुमार निवासी फतेहगंज बरेली व शाहनवाज सिद्दकी उर्फ शानू पुत्र आबिद हसन निवासी अंसारी मार्ग फतेहगंज बरेली बताया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

शराब के साथ महिला सहित दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर थाना पुलिस ने खैरी मानसिंह रोड पर एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया तो वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 58 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम मंजीत पुण्डीर निवासी मालदेवता बताया। वहीं पटेलनगर पुलिस ने ब्रहमपुरी खाली प्लॉट के पास से एक महिला को 55 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया। जिसने पूछताछ में अपना नाम सीता पत्नी विजय कुमार निवासी ब्रहमपुरी बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मकान का ताला तोड लाखों के जेवरात व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने बन्द मकान की ग्रील व दरवाजे तोड वहां से लाखों के जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैनाल रोड निकट पुलिस कालोनी निवासी उमा बिजल्वाण ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि मानव कल्याण पुलिस कॉलोनी गेट के पास उसका मकान है। उसके मकान में दिन में समय 3 बजे के बाद चोरों द्वारा उसके घर की दो ग्रिल दो खिड़की की फिर कमरे का दरवाजा तोड़कर घर में रखी नगदी एवं गहनों की चोरी कर दी गई चोरी के समय में घर पर नहीं थी वह लगभग ढाई बजे तक अपने मायके धोरन गई थी, जब साढे छह के लगभग वापस घर आई तो घर की ग्रिल दरवाजे टूटे हुए पाये। जिसकी सूचना उसके द्वारा थाना राजपुर को दी गई। डायल 112 को दी गई। चोर उसके यहां से नगदी अस्सी हजार रुपये, मंगलसुत्र कीमत लगभग (60,000 रुपये), कान के टापस- 1 जोड़ी (20,000 रूपये), पायजेब- 1 जोड़ी बिछुए 7000 रुपये चोरी करके ले गये हैं।

दरोगा सहित 4 पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज

❑अवैध खनन की शिकायत पर प्रताड़ित किये जाने का है मामला

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। अवैध खनन की शिकायत करने वाले को प्रताड़ित करने सहित उसी पर पुलिस द्वारा केस दर्ज करने के आरोप में दरोगा सहित 4 पुलिसकर्मियों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। यह मुकदमा न्यायालय के आदेश पर दर्ज किया गया है।

यह मामला उधमसिंह नगर के बाजपुर कोतवाली क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर पट्टी के ग्राम रामजीवनपुर निवासी बाबूराम द्वारा दिए शिकायती पत्र में बताया गया है कि उसके द्वारा कोसी नदी में अवैध खनन का विरोध एवं खनन में लिप्त वाहनों से 800 रुपये के हिसाब से वसूली करने का वीडियो बनाया गया था जिसकी शिकायत उसके द्वारा 2 जून 2022 को की गई मगर पुलिस ने शिकायत नही ली बल्कि उसको उल्टा पुलिस द्वारा झूठा मुकदमा दर्ज कर लॉकअप में बंद कर उसको प्रताड़ित किया गया। साथ ही पुलिस द्वारा उसके इनकाउंटर की भी चेतावनी दी गई। बाद उसने पुलिस के इस कृत्य के खिलाफ कार्यवाही करने का मन बनाया और अपने अधिवक्ता के माध्यम से कोर्ट की शरण में पहुँच गया तथा अधिवक्ता राजेश पांडे के माध्यम से न्यायायिक मजिस्ट्रेट बाजपुर की कोर्ट में वाद दायर किया। जिसके बाद कोर्ट ने आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए।

कोर्ट के आदेश पर बाजपुर कोतवाली में पुलिस ने तत्कालीन सुल्तानपुर पट्टी में चौकी इंचार्ज व वर्तमान में एसएसपी कार्यालय में तैनात रीडर दरोगा प्रदीप कोहली, सिपाही नितिन कौशिक, सिपाही अमित देवरानी, सिपाही समीर के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने इस मामले में गम्भीरता से जांच शुरू कर दी है।

उधर मामले में आरोपी तत्कालीन चौकी इंचार्ज द्वारा बताया गया है शिकायतकर्ता खुद ही खनन माफिया है। उसके द्वारा खनन के कार्य क्षेत्र में अपना वर्चस्व बनाने के लिए किया जाता है। साथ ही उसके द्वारा पुलिस के साथ दुर्व्यवहार भी किया गया था तथा उसके खिलाफ पूर्व में भी कई मुकदमे दर्ज है।

बुलेरो वाहन पलटने से महिला की मौत, 6 घायल

हमारे संवाददाता

टिहरी। अग्याराना काड्ई जाख मोटर मार्ग पर एक अनियंत्रित वाहन के सड़क पर पलट जाने से जहां एक महिला की मौत हो गयी वहीं 6 लोग गम्भीर घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतक व घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया जहां घायलों को उपचार जारी है। वाहन में लगभग 20 लोग सवार बताये जा रहे है।

उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में सड़क हादसे और दुर्घटनाओं के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। पहाड़ी जिलों में एक्सीडेंट के मामले में कईयों की जान जा चुकी है, तो कई घायल भी हो चुके हैं। वहीं सड़क दुर्घटना का एक नया मामला थत्यूड से सामने आ रहा है, जहां एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें महिला की मौत हो गई जबकि 6 घायल हो गए। बताया जा रहा है कि रविवार शाम थत्यूड डांणा मेले से गांव जा रहे ग्रामीणों का बुलेरो वाहन अग्याराना से काड्ई जाख मोटर मार्ग पर अचानक अनियंत्रित होने पर सड़क पर पलट गया। जिसमें एक महिला की मौके पर मौत हो गई जबकि 6 लोग घायल हो गए। जिन्हे स्थानीय लोग की मदद से सीएचसी थत्यूड लाया गया।

वाहन में 18 से 20 लोग सवार बताए जा रहे है। सूचना मिलने पर थाना थत्यूड से थानाध्यक्ष मय फोर्स के मौके पर रवाना हुए और घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला। मृतक महिला को नाम प्रिया असवाल (26) पत्नी जगत सिंह असवाल निवासी ग्राम काण्डा जाख थाना के कैपटी टिहरी गढ़वाल बताया जा रहा है। वहीं घायलों में रीमा (18) पुत्री रणदीप सिंह निवासी ग्राम मथौली थाना कैंपटी टिहरी गढ़वाल, शिवानी (17) पुत्री त्रिलोक सिंह निवासी ग्राम काण्डा जाख थाना कैपटी, सुनील (15) पुत्र रणदीप निवासी ग्राम मथौली थाना कैंपटी, मनीष (15)पुत्र सुंदर सिंह निवासी ग्राम काण्डा जाख थाना कैपटी, पायल (16) पुत्री प्रताप सिंह निवासी ग्राम काण्डा जाख थाना कैपटी व जसपाल (24) पुत्र बलवीर सिंह निवासी ग्राम काण्डा जाख थाना के कैपटी टिहरी गढ़वाल शामिल है।

150 करोड़ के हिंदुस्तान में अब्दुल्ला को कोई नहीं हरा सकताः आजम खान

लखनऊ । समाजवादी पार्टी नेता आजम खान ने स्वार विधानसभा से सपा प्रत्याशी अनुराधा चौहान के लिए जनसभा में वोट अपील की। वहीं उन्होंने विपक्ष पर भी जमकर जुबानी हमला बोला है। उन्होंने अब्दुल्ला आजम की हार को नामुमकिन बताया और अब्दुल्ला के नाम को अल्लाह का सबसे पसंदीदा नाम बताया। उन्होंने विधानसभा और लोकसभा उपचुनाव में मिली शिकस्त पर प्रतिक्रिया दी। आजम खान ने मंच से बोलते हुए कहा, बेचा तुम्हें, तुम्हारा सर झुकने दिया कहीं। किस लिए छीन ली दो बार तुम्हारे विधायक की मेंबरशिप। कोई माई का लाल 150 करोड़ के हिंदुस्तान में अब्दुल्ला को इसलिए नहीं हरा सकता क्योंकि यह अल्लाह का सबसे पसंदीदा नाम है। आजम खान ने कहा, मुल्क के बांटने वालों, रिश्तो को बांटने वालों क्या पार्लिमेंट हमने हारी है।उन्होंने अब्दुल्ला आजम और अनुराधा चौहान की तरफ इशारा करते हुए कहा, एक सौ पचास करोड़ में यह है एक और एक ग्यारह। बीते कुछ दिनों से चुनाव प्रचार के दौरान आजम खान के बयान काफी चर्चा में हैं।

105 करोड़ के घोटाले में फरार चल रही आईएएस सेवाली देवी शर्मा गिरफ्तार

जयपुर। असम में 105 करोड़ रुपये के सरकारी घोटाले में फरार चल रही निलंबित आईएएस सेवाली देवी शर्मा और उनके दामाद अजीतपाल सिंह सहित 3 लोगों को असम पुलिस ने राजस्थान के अजमेर जिले से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा की निलंबित अधिकारी सेवाली शर्मा अपने दामाद और घरेलू नौकरानी सहित 3 लोगों के साथ अजमेर के कोतवाली इलाके में होटल क्रॉस लेन में ठहरी हुई थी।

असम पुलिस ने अजमेर पुलिस के सहयोग को उनको पकड़ा है। उसके बाद असम पुलिस ने आरोपियों को अजमेर कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड लिया। बाद में वह उनको लेकर असम के लिए रवाना हो गई।

बताया जा रहा है कि दो दिन पहले ही ये तीनोंअजमेर पहुंचे थे। उनके अजमेर पहुंचने की भनक लगने पर असम पुलिस टीम भी रविवार रात को अजमेर पहुंच गई। उसके बाद अजमेर में कोतवाली पुलिस की मदद से होटल क्रास लेन में दबिश देकर निलंबित आईएएस और उसके दामाद सहित उनको पकड़ लिया गया।

जानकारी के अनुसार आईएएस सेवाली देवी शर्मा पर आरोप है कि वे वर्ष 2017 से 2020 तक एससीईआरटी के एक्जीक्यूटिव के रूप में पदस्थ थी। अपने पद पर बने रहने के दौरान आईएएस सेवाली देवी शर्मा ने सरकार की बगैर अनुमति के 5 बैंक अकाउंट खुलवाए। उसके बाद पेशे से कांट्रेक्टर अपने दामाद अजीतपाल सिंह की मदद से कोई वर्क ऑर्डर जारी किए बगैर ही बैंक खाते से 105 करोड़ रुपये निकाल लिए। यह घोटाला सामने आने पर असम सरकार ने आईएएस सेवाली देवी शर्मा को सस्पेंड कर दिया था।

इस घोटाले को लेकर असम के कामरुप जिले में विजीलेंस थाने में केस दर्ज हुआ था। उसके बाद गिरफ्तारी के डर से फरारी काटते हुए सेवाली देवी शर्मा अजमेर पहुंची थी। लेकिन सेवाली शर्मा को ट्रैक कर रही असम पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

एक नजर

केरल: मलप्पुरम नाव हादसे में अब तक 22 लोगों की मौत

कोच्ची। केरल के मलप्पुरम जिले में 25 से अधिक लोगों को ले जा रही एक नाव के पलटने से कम से कम 22 लोगों की डूबने से मौत हो गई। यह हादसा तन्नूर के तूवल तेरम पर्यटन स्थल पर रविवार (7 मई) शाम करीब सात बजे हुआ। रीजनल फायर रेंज ऑफिसर शिजू केके ने बताया कि अब तक 21 शव बरामद किए गए हैं। अभी तक नाव में बैठे लोगों की सही संख्या का पता नहीं लग पाया है। एनडीआरएफ, फायर और स्कूबा डाइविंग टीमें सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। केरल के राजस्व मंत्री के राजन ने बताया कि नेवी की टीम भी मदद के लिए आगे आई है। घटना का पता चलते ही कई वाहन मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। इस बीच, केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने घटना के बाद आधी रात को राज्य के स्वास्थ्य विभाग की आपात बैठक बुलाई और अधिकारियों को घायलों का बेहतर इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने घायलों के बेहतर इलाज और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया है। मंत्री ने सोमवार को सुबह छह बजे पोस्टमार्टम शुरू करने के भी सख्त निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की मुआवजा राशि देने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने ट्वीट कर दुख जताया। प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी केरल के मलप्पुरम में नाव पलटने की घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा, मलप्पुरम में तानूर नाव दुर्घटना में लोगों की दुखद मौत से गहरा दुख हुआ है।

पंजाब में स्वर्ण मंदिर के पास की हेरिटेज स्ट्रीट पर हुआ धमाका

अमृतसर । पंजाब के अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के पास हेरिटेज स्ट्रीट पर सोमवार को एक और धमाका हुआ। इसी जगह पर रविवार को भी एक धमाका हुआ था जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया था। धमाके की घटना स्वर्ण मंदिर के रास्ते में सारागढ़ी सराय के पास हेरिटेज स्ट्रीट की है। करीब 36 घंटे में स्वर्ण मंदिर के आसपास यह दूसरा क्रूड बम विस्फोट है। धमाके की घटना आज सुबह करीब 6.30 बजे हुई। पुलिस आयुक्त सहित पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचे और जांच के लिए नमूने एकत्र किये। अमृतसर के एडीसीपी मेहताब सिंह ने कहा कि हम जांच कर रहे हैं। बम निरोधक दस्ते और एफएसएल की टीमें यहां हैं। एक व्यक्ति के पैर में मामूली चोट आई है।

सुबह धमाके की आवाज आसपास के स्थानीय लोगों ने सुनी और उन्होंने विस्फोट के बाद इलाके में धुआं भी देखा। इससे पहले स्वर्ण मंदिर के पास धमाके के बाद हेरिटेज स्ट्रीट के निवासियों में दहशत फैल गई थी। धमाके की आवाज स्वर्ण मंदिर के एक किलोमीटर के दायरे में सुनी गई। विस्फोट में कुछ इमारतों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। घटनास्थल पर मौजूद श्रद्धालु करणदीप सिंह ने कहा कि विस्फोट के बाद एक ऑटो रिक्शा में यात्रा कर रही कुछ लड़कियों को शीशे के टुकड़े लगे और उन्हें मामूली चोटें आईं। उन्होंने कहा कि लड़कियां हरियाणा के पंचकुला से स्वर्ण मंदिर में मत्था टेकने आई थीं।

पहलवानों के समर्थन में पहुंचे किसानों ने जंतर-मंतर पर बैरिकेडिग को तोड़ा!

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों का प्रदर्शन जारी है। ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया और विनेश फोगट समेत कई पहलवान भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पहलवानों के धरने प्रदर्शन को समर्थन देने के लिए हरियाणा और यूपी समेत आसपास के राज्यों से किसान और खाप पंचायतों के दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहुंचने का सिलसिला बीते रविवार से ही शुरू हो चुका है। दिल्ली से जुड़ी सभी सीमाओं पर पुलिस ने बैरिकेडिग की है और वाहनों को जांच करने के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। सोमवार को किसानों का एक और जत्था जंतर-मंतर पर पहुंचा और उन्होंने पुलिस के द्वारा की गई बैरिकेडिंग को तोड़ दिया। बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों को समर्थन देने जा रहे किसानों के एक समूह ने पुलिस के द्वारा की गई बैरिकेडिग को तोड़ दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह समूह धरना स्थल पर पहुंचने की जल्दी में थे, जिसमें उनमें से कुछ बैरिकेड्स पर चढ़ गए जो नीचे गिर गए और उन्हें हटा दिया गया। पुलिस ने अपील की है कि माहौल को शांतिपूर्ण बनाए रखें और कानून का पालन करें। किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने कहा कि धरना पहलवानों के नेतृत्व में शांतिपूर्ण तरीके से चलता रहेगा। देश के लिए पदक जीतकर दुनिया में नाम रोशन करने वाले पहलवानों को आज न्याय पाने के लिए धरना-प्रदर्शन करना पड़ रहा है।

सांसदों ने लिया टिहरी डैम परियोजना का जायजा

विशेष संवाददाता

देहरादून। दिल्ली से अपने तीन दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड आए सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज टिहरी डैम पहुंचकर यहां चल रही केंद्रीय विकास योजनाओं का जायजा लिया, सांसदों द्वारा डैम से संबंधित तमाम विकास योजनाओं के साथ डैम क्षेत्र प्रभावितों की समस्याओं पर गौर किया जाएगा। जिससे 415 परिवारों को इस बात की उम्मीद बंधी है कि केंद्र सरकार उनकी भी मदद करेगी।

उल्लेखनीय है कि टिहरी डैम से सिंचाई और पेयजल के अलावा पर्यटन जैसी अनेक विकास योजनाएं जुड़ी हुई है जो केंद्रीय सहायता से संचालित की जा रही है। सांसदों के इस प्रतिनिधि मंडल द्वारा डैम से जुड़ी विकास योजनाओं की समीक्षा की जाएगी उनकी धरातल की स्थिति क्या है तथा इसका कितना

●टिहरी डैम प्रभावितों को बंधी सहायता की आस
●संसदीय समिति को सौंपी जाएगी समीक्षा रिपोर्ट

लाभ लोगों तक पहुंच रहा है। टिहरी डैम प्रभावितों का अब तक जो विस्थापन किया गया है उनकी क्या स्थिति है। जब टिहरी बांध बना था तब पुरानी टिहरी को जलमग्न कर दिया गया था जो लोग वहां रह रहे थे उन्हें सरकार द्वारा देहरादून में विस्थापित किया गया था वहीं कुछ लोग पहले ही पलायन कर गए थे और उन्हें विस्थापन का लाभ अभी तक नहीं मिल सका है, यही नहीं टिहरी डैम निर्माण के बाद आसपास के बड़े क्षेत्र में भू धंसाओ समस्या के कारण निकटवर्ती कई गांवों के लोग अभी भी मुश्किलों में फंसे हुए हैं। तथा अपने विस्थापन की मांग कर रहे हैं। सांसदों के इस प्रतिनिधि मंडल द्वारा ऐसे 415 परिवारों के हालात पर गौर किया जाएगा। जिससे यह उम्मीद बंधी है कि इन प्रभावितों को भी विस्थापन की व्यवस्था हो सकेगी।

टिहरी पहुंचे प्रतिनिधिमंडल से क्षेत्रीय विधायक किशोर उपाध्याय ने भी मुलाकात कर उन्हें क्षेत्र की उन तमाम समस्याओं से अवगत कराया जो डैम के कारण पैदा हुई हैं। यह दल 3 दिन के दौरे पर आया जो संसदीय समिति को अपनी रिपोर्ट सौंपेंगा। आज शाम सभी सांसद लौट कर दून आएंगे और एक समीक्षा बैठक भी करेंगे।

खडे ट्रक से टकरायी बाईक, एक की मौत

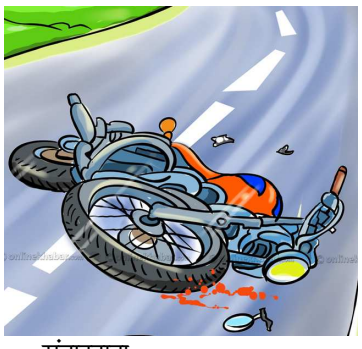

संवाददाता

देहरादून। सडक किनारे खडे ट्रक से बाईक के टकराने से बाईक सवार की मौत होने पर पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गाजियाबाद निवासी सौरभ ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई अर्नव यहां पर इकफाई इंस्टीटयूट में पढ रहा था। 24 अप्रैल को अर्नव अपने एक अन्य मित्र के साथ झाझरा से प्रेमनगर की तरफ आ रहा था जब वह झाझरा के पास पहुंचे तो सडक किनारे ट्रक से उनकी बाईक टकरा गयी जिससे उसके भाई की मौत हो गयी जबकि दूसरा युवक घायल हो गया। उसने बताया कि दुघर्टना ट्रक चालक की लापरवाही से हुई। उसने जब ट्रक खडा किया तो पार्किग लाईट जलाने चाहिए थी लेकिन उसने पार्किग लाईट बंद की हुई थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

धार्मिक स्थलों पर सक्रिय...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

जाते है। हम अधिकतर तीन-तीन की टोली बनाकर घूमते है। हमें चोरी में जो भी पैसा व जेवरात मिलता है हम उसे आपस में बांट देते है। हमारे तरह के कई गैंग अन्य धार्मिक स्थलों पर सक्रिय है। पुलिस के अनुसार इस गैंग द्वारा वर्ष 2008 व वर्ष 2017 में भी थाना ऋषिकेश एवं थाना मुनिकीरेती क्षेत्रान्तर्गत इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम दिया गया था।

हिमालय व गंगा की सुरक्षा को लेकर विधायक ने लिखा समिति को पत्र

हमारे संवाददाता

टिहरी। टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने जल संसाधन पर स्थायी संसदीय समिति को हिमालय एवं गंगा के वैज्ञानिक प्रबन्धन हेतु पत्र लिखकर आग्रह किया गया है।

पत्र के माध्यम से टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा है कि टिहरी सदैव राष्ट्र एवं मानवता के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति अनुकरणीय निष्ठा का उदारण विश्व के सामने प्रस्तुत करता रहा है। उन्होने कहा है कि समिति राष्ट्र के जल संसाधनों के प्रति देश की सर्वोच्च पंचायत संसद के लिये आंख, नाक एवं कान का कार्य करती है। टिहरी बांध जहां एक ओर राष्ट्र को विद्युत के माध्यम से प्रकाश प्रदान कर रहा है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लाखों निवासियों को पेयजल उपलब्ध कराने के साथ-साथ पूरे उत्तर प्रदेश और लगभग पूरे उत्तर भारत को सिंचाई एवं पेयजल उपलब्ध करा रहा हैं।

उन्होने कहा है कि गंगा एवं यमुना को भी पल्लवित और पुष्पित भी यही धरती कर रही है। प्राण वायु के उपरान्त जल और अन्न मानव जीवन की सुरक्षा और निरन्तरता के मुख्य कारक हैं। समिति जल संसाधनों के विकास एवं अनुरक्षण के बारे में संसद के लिये चक्षु का काम करती है। आज विश्व जलवायु नियन्ता हिमालय और सनातन धर्म की रक्षक गंगा संकट में है।

अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों ने कहा है कि यदि हिमालय का प्रबन्धन हमने ठीक नही किया तो अगले 50 वर्षों में हिमालय पर एक बूँद बर्फ नही बचेगी और इसका वैश्विक असर होगा। आधी दुनिया जल के भीतर होगी विकसित देश सबसे अधिक प्रभावित होंगें। बहुत से देशों का अस्तित्व समाप्त हो जायेगा, भारत भी उससे बच नही पायेगा सबसे बड़ा संकट भारत की

राजधानी दिल्ली को झेलना पड़ेगा।

उन्होने कहा है कि हिमालय और गंगा भारत मां को पुन: सोने की चिडिया बनाने की क्षमता रखते हैं। अत: मेरा आपसे विनम्र निवेदन है कि संसद को हमारी भावनाओं से अवगत कराने का कष्ट करेंगे और अगर आप अनुमति प्रदान करेंगें तो मै हिमालय व गंगा की सुरक्षा के सम्बन्ध में समिति के सम्मुख तथा संसद के सम्मुख तथ्यों के साथ इस विषय पर आ रहे संकट से अवगत करा सकता हूँ और इस संकट से कैसे मुक्ति मिलेगी ? उसकी रूप रेखा प्रस्तुत कर सकता हूँ।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।